website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 357 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 03 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

‘STOP SIR...’ के नारों से गूंजा संसद परिसर, राहुल गांधी-खड़गे समेत विपक्षी नेताओं का जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का आज (2 दिसंबर) दूसरा दिन है और सदन की शुरुआत एक बार फिर विपक्ष के हंगामे के साथ हुई। ‘INDIA’ ब्लॉक के नेताओं ने विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के विरोध में संसद परिसर में प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसद हाथों में ‘STOP SIR’ लिखे बैनर लेकर नारेबाजी करते नजर आए। इस विरोध-प्रदर्शन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी भी शामिल रहीं।

संसद परिसर में गूंजे नारे

विपक्षी नेताओं ने SIR के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए बैनरों पर ‘STOP SIR, STOP VOTE CHORI’ लिख रखा था। इसके साथ ही ‘तानाशाही बंद करो’ जैसे नारे भी लगाए गए। प्रदर्शन के दौरान संसद परिसर पूरी तरह नारों से गूंज उठा।

‘सत्ता पक्ष चर्चा नहीं होने देता’

SIR के मुद्दे पर हो रहे विरोध को लेकर JMM सांसद महुआ माजी ने कहा कि असल समस्या यह है कि सत्ता पक्ष सदन में चर्चा होने ही नहीं देता। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लगातार संसद का कामकाज बाधित होने के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराती है, जबकि वास्तविकता यह है कि अहम मुद्दों पर बहस की अनुमति नहीं दी जा रही। उन्होंने कहा कि विपक्ष SIR के मसले पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए विरोध कर रहा है।

लोकसभा की कार्यवाही हो चुकी है स्थगित

गौरतलब है कि शीतकालीन सत्र के पहले दिन भी विपक्ष ने SIR को लेकर लोकसभा की कार्यवाही बाधित की थी। लगातार नारेबाजी और हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित करनी पड़ी थी। इसके बावजूद विपक्ष आज भी इस मुद्दे पर पीछे हटने के मूड में नहीं दिख रहा है।

क्यों हो रहा है SIR?

बिहार के बाद चुनाव आयोग देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में SIR यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की प्रक्रिया चला रहा है। इस अभियान के तहत मतदाता सूची को अपडेट किया जा रहा है। नए मतदाताओं के नाम जोड़े जा रहे हैं, मृत मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी व्यक्ति एक से अधिक स्थानों पर मतदाता के रूप में दर्ज न हो। विपक्ष इसी प्रक्रिया को लेकर अपनी आपत्ति जता रहा है।

दुनिया के सामने फिर हुई पाकिस्तान की फजीहत, श्रीलंका के बाढ़ पीड़ितों को भेजी एक्सपायर्ड राहत सामग्री

नई दिल्ली। अपनी लापरवाह कार्यशैली के कारण पाकिस्तान एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी का सामना कर रहा है। इस बार मामला श्रीलंका में आए भीषण चक्रवाती तूफान ‘दितवाह’ से जुड़े राहत प्रयासों का है। पाकिस्तान ने तूफान और बाढ़ से तबाह हुए श्रीलंका के लोगों के लिए जो राहत सामग्री भेजी, वह एक्सपायर्ड पाई गई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि राहत पैकेट्स पर एक्सपायरी डेट अक्टूबर 2024 दर्ज है, जबकि ये सामग्री 2025 में भेजी गई।

दरअसल, पाकिस्तान के हाई कमीशन की ओर से एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट साझा की गई थी, जिसमें श्रीलंका को भेजी गई राहत सामग्री की जानकारी दी गई। पोस्ट में पानी, दूध पाउडर, आटा समेत कई आवश्यक वस्तुओं के पैकेट्स की तस्वीरें भी शामिल थीं। इन्हीं तस्वीरों में पैकेट्स पर लिखी एक्सपायरी डेट स्पष्ट रूप से नजर आ रही है। इसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने जमकर प्रतिक्रिया दी और पाकिस्तान को गैर-जिम्मेदाराना रवैये के लिए कठोर आलोचना का सामना करना पड़ा।

यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान की ओर से भेजी गई राहत सामग्री को लेकर विवाद खड़ा हुआ हो। इससे पहले वर्ष 2022 में तुर्किए में आए विनाशकारी भूकंप के दौरान भी पाकिस्तान द्वारा भेजी गई राहत सामग्री को वापस कर दिया गया था। गौरतलब है कि 2021 में पाकिस्तान में आई भीषण बाढ़ के समय तुर्किए ने पाकिस्तान को सहायता भेजी थी, लेकिन एक साल बाद तुर्किए पर संकट आने पर पाकिस्तान की मदद अव्यवस्थित और आपत्तिजनक पाई गई।

तुर्किए ने उस समय पाकिस्तान की इस हरकत की कड़ी निंदा की थी। उस भूकंप में तुर्किए में हजारों लोगों की जान गई थी। भारत ने भी उस आपदा के दौरान तुर्किए को बड़े पैमाने पर राहत सामग्री और मानवीय सहायता भेजी थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई।

दितवाह ने ली 390 लोगों की जान

चक्रवाती तूफान ‘दितवाह’ ने श्रीलंका में जबरदस्त तबाही मचाई है। लगातार हो रही भारी बारिश और बाढ़ के कारण अब तक 390 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 370 लोग लापता बताए जा रहे हैं। इस प्राकृतिक आपदा से करीब 11 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। हालात इतने गंभीर हैं कि लगभग दो लाख लोगों को अपने घर छोड़कर शेल्टर होम्स में शरण लेनी पड़ी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह बीते 20 वर्षों में हिंद महासागर में आया सबसे खतरनाक तूफान माना जा रहा है।

‘मेरे पिता सुरक्षित हैं, घायल हैं या जीवित...’ इमरान खान के बेटे ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लेकर सियासी और मानवीय विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इसी बीच उनके बेटे कासिम खान ने बेहद गंभीर दावा करते हुए कहा है कि पिछले तीन हफ्तों से उन्हें यह तक पता नहीं है कि उनके पिता जीवित हैं या नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कोर्ट के आदेश के बावजूद इमरान खान को उनके परिवार से मिलने नहीं दिया जा रहा है।

इमरान के बेटे का सरकार पर हमला

कासिम खान ने पाकिस्तान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शहबाज शरीफ सरकार और जेल प्रशासन कुछ ऐसी बातें छिपाने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्हें छिपाया नहीं जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इमरान खान के निजी डॉक्टर को भी बीते एक साल से उनकी मेडिकल जांच करने की अनुमति नहीं दी गई है।

हालांकि, जेल अधिकारियों का दावा है कि इमरान खान पूरी तरह ठीक हैं। वहीं, समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार इमरान खान के परिवार को अब तक न तो उनसे मिलने दिया गया है और न ही किसी तरह का सीधा संपर्क संभव हो पाया है।

‘डेथ सेल में रखे गए हैं पिता’

कासिम खान ने कहा, “हमें नहीं पता कि मेरे पिता सुरक्षित हैं, घायल हैं या जीवित भी हैं या नहीं। यह हमारे लिए मानसिक यातना है।” उन्होंने दावा किया कि इमरान खान को डेथ सेल में रखा गया है और परिवार से कोई संवाद न होने की वजह से चिंताएं और गहरी हो गई हैं।

नवंबर 2022 में हुई थी आखिरी मुलाकात

गौरतलब है कि इमरान खान का परिवार—उनकी पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ और दोनों बेटे—लंदन में रहते हैं। कासिम खान ने बताया कि उनकी पिता से आखिरी मुलाकात नवंबर 2022 में हुई थी। उन्होंने कहा, “यह सिर्फ एक राजनीतिक विवाद नहीं है, बल्कि एक मानवाधिकार आपातकाल है। हर तरफ से दबाव बनाया जाना चाहिए। हमें उनसे ताकत मिलती है, लेकिन यह जानना भी जरूरी है कि वह सुरक्षित हैं या नहीं।”

इमरान खान को लेकर उठे इन सवालों ने पाकिस्तान की राजनीति के साथ-साथ मानवाधिकारों पर भी एक नई बहस छेड़ दी है।

सिद्धारमैया–शिवकुमार के बीच किस मुद्दे पर हुई चर्चा?

-सीएम ने किया साफ, बीजेपी की रणनीति पर भी दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के साथ हुई ब्रेकफास्ट मीटिंग के बाद मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि मंगलवार (2 दिसंबर) को हुई इस मुलाकात में दोनों वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के बीच किसी तरह का मतभेद नहीं, बल्कि पार्टी से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही उन्होंने दावा किया कि सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में बीजेपी सरकार के हर फैसले का विरोध करने की योजना बना रही है।

ब्रेकफास्ट मीटिंग में क्या हुई बात?

सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि वे डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के घर नाश्ते के लिए गए थे। इससे पहले शिवकुमार उनके घर भी नाश्ता कर चुके हैं। आपसी आमंत्रण के तहत मंगलवार को वे उनके घर पहुंचे और दोनों ने साथ में नाश्ता किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान कांग्रेस पार्टी से जुड़े मामलों पर बातचीत हुई। साथ ही आगामी विधानसभा सत्र को लेकर भी रणनीति पर चर्चा की गई, क्योंकि अगले सोमवार से सत्र शुरू हो रहा है। सीएम ने कहा कि विपक्ष नो-कॉन्फिडेंस मोशन लाने की तैयारी कर रहा है। बीजेपी और जेडी(एस) सरकार के हर फैसले का विरोध करने की योजना बना रहे हैं। सिद्धारमैया ने दोहराया कि उनकी सरकार किसानों के हक में काम कर रही है। उन्होंने मक्का और गन्ने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जानकारी दी और कहा कि किसानों से बातचीत के बाद सरकार ने कीमतें तय कर दी हैं। इसके अलावा उन्होंने पोल्ट्री फार्मर्स और मछली पालन करने वाले किसानों से भी संवाद किया है।

‘हमारे बीच कोई मतभेद नहीं’

इससे पहले 29 नवंबर को सीएम आवास पर हुई बैठक को लेकर भी सिद्धारमैया ने स्थिति स्पष्ट की थी। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के साथ न कभी मतभेद था, न है और न आगे होगा। साथ ही उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह यह झूठा भ्रम फैला रही है कि कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री पद को लेकर विवाद चल रहा है, जबकि हकीकत में ऐसा कुछ भी नहीं है।

असम दिवस पर अमित शाह की शुभकामनाएं

-कहा- मोदी सरकार ने राज्य में शांति और विकास को दी नई दिशा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को असम के लोगों को असम दिवस के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के तहत पिछले नौ वर्षों में राज्य में शांति और स्थिरता स्थापित हुई है और असम को विकास व शिक्षा का एक उभरता हुआ केंद्र बनाया गया है।

असम की समृद्ध संस्कृति की रक्षा करने के हमारे संकल्प को मजबूत करता है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है

उन्होंने कहा कि सरकार आने वाले वर्षों में भी इस विकास यात्रा को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। अमित शाह ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म ‘एक्स’ पर लिखा, “असम के सभी भाई-बहनों को असम दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। यह अवसर अहोम युग की शान को याद करता है और असम की समृद्ध संस्कृति की रक्षा करने के हमारे संकल्प को मजबूत करता है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है।” उन्होंने आगे कहा, “पिछले नौ वर्षों में मोदी जी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने शांति का एक नया दौर शुरू किया है, असम को विकास और शिक्षा का हब बनाया है और इस प्रक्रिया को बिना रुके जारी रखने का दृढ़ संकल्प लिया है। यह दिन हमारी एकता के बंधन को और मजबूत करे और हमारी संस्कृति के प्रति हमारा जुड़ाव और गहरा बनाए।”

असम दिवस, अहोम साम्राज्य के संस्थापक और पहले राजा चाओलुंग सुकाफा के आगमन की स्मृति में मनाया जाता है

असम दिवस, जो हर वर्ष 2 दिसंबर को मनाया जाता है, असम का एक क्षेत्रीय सार्वजनिक अवकाश है। यह दिन अहोम साम्राज्य के संस्थापक और पहले राजा चाओलुंग सुकाफा के आगमन की स्मृति में मनाया जाता है। आज असम में 30 मिलियन से अधिक लोग रहते हैं, और असम दिवस उनकी संस्कृति और ऐतिहासिक जड़ों की अहम याद दिलाता है। चाओलुंग सुकाफा को असम के इतिहास के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक माना जाता है। उनके द्वारा स्थापित अहोम राजवंश ने लगभग छह सदियों तक शासन किया। उनके शासनकाल में अहोम साम्राज्य ने न केवल मुगल साम्राज्य जैसी बड़ी शक्तियों का सामना किया, बल्कि एक मजबूत प्रशासनिक और सांस्कृतिक पहचान की नींव भी रखी। असम के आदिवासी समुदायों के प्रति उनका सम्मानपूर्ण रवैया उन्हें लोकप्रिय बनाता है और एक एकीकृत तथा सर्वसमावेशी राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

समारोह राज्य की जीवंत सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हैं

असम दिवस के समारोह राज्य की जीवंत सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हैं। दिन की शुरुआत पारंपरिक संगीत और बगुरुम्बा, बिहू तथा भोरताल जैसे स्थानीय नृत्यों से होती है। चाओलुंग सुकाफा के योगदान का सम्मान करने और असम की एकता व विविधता का उत्सव मनाने के लिए पूरे राज्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुरस्कार समारोह और बड़े जुलूस आयोजित किए जाते हैं।

तमिलनाडु में भारी बारिश के बाद चार जिलों के स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। साइक्लोन दितवाह के बचे हुए असर से लगातार भारी बारिश ने कई इलाकों में आम जनजीवन पर असर डाला है। इस कारण तमिलनाडु के चार जिलों, चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट् में आज मंगलवार को सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि कोस्ट के पास बना डीप डिप्रेशन तेज बारिश लाता रहेगा।

आईएमडी के अनुसार, चेन्नई से करीब 50 किमी पूरब में एक डीप डिप्रेशन कई घंटों से लगभग एक जगह पर बना हुआ है। उम्मीद है कि यह सिस्टम अगले 12 घंटों में दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और कमजोर होकर डिप्रेशन में बदल जाएगा। साथ ही शहर से करीब 30 किमी दूर चला जाएगा। इसके कमजोर होने के बावजूद, इसकी नजदीकी उत्तरी तमिलनाडु में बारिश की मात्रा को तेज कर रही है।

चेन्नई में सुबह से लगातार बारिश हो रही है, जिससे मुख्य सड़कों और रिहायशी इलाकों में भारी पानी भर गया है। गाड़ियां पानी में डूबे हुए हिस्सों से रेंग-रेंगकर गुजरीं, और कई मुख्य सड़कें ट्रैफिक से जाम हो गईं क्योंकि आने-जाने वालों को बाढ़ वाले इलाकों से निकलने में मुश्किल हो रही थी। लगातार हो रही बारिश से शहर के कई हिस्सों में लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

वहीं, अपने लेटेस्ट बुलेटिन में आईएमडी ने कहा, “चेन्नई से लगभग 50 किमी पूरब में बना डीप डिप्रेशन अगले 12 घंटों में कमजोर होकर डिप्रेशन में बदल सकता है और शहर से लगभग 30 किमी के करीब आ सकता है। इसके चलते, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में एक या दो जगहों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। चेन्नई, तिरुवल्लूर, चेंगलपट् और कांचीपुरम के कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है।”

मौसम विभाग ने यह भी संकेत दिया है कि बुधवार से 5 दिसंबर तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ हिस्सों में बारिश जारी रहेगी, साथ ही कुछ इलाकों में गरज और बिजली भी गिरेगी।

भारी बारिश के अलर्ट के बाद, चार प्रभावित जिलों के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टरों ने एहतियात के तौर पर आज के लिए एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन बंद करने की घोषणा की। मद्रास यूनिवर्सिटी और अन्ना यूनिवर्सिटी ने भी मंगलवार को होने वाली सेमेस्टर परीक्षाएं टाल दी हैं, जिनकी नई तारीखें बाद में बताई जाएंगी। अधिकारियों ने लोगों से गैर-जरूरी यात्रा से बचने, जहां तक हो सके घर के अंदर रहने और सुरक्षा सलाह मानने की अपील की है क्योंकि डिप्रेशन तमिलनाडु तट के पास बना हुआ है।

दिल्ली सियासत: ‘सही नहीं किया ओझा जी...’, अवध ओझा के राजनीति से संन्यास पर AAP में मंथन तेज

नई दिल्ली। दिल्ली की राजनीति में उस समय हलचल मच गई जब मशहूर शिक्षक और आम आदमी पार्टी (AAP) के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ने वाले अवध ओझा ने अचानक राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। उनके इस फैसले पर पार्टी के भीतर से ही असहमति के स्वर सामने आने लगे हैं। खास तौर पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी और पूर्व मंत्री सोमनाथ भारती के बयान ने इस मुद्दे को और गरमा दिया है। सोमनाथ भारती ने अवध ओझा के फैसले को गलत ठहराते हुए कहा कि राजनीति कोई अल्पकालिक परियोजना नहीं होती। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर किए गए अपने पोस्ट में भारती ने लिखा कि वह अवध ओझा का व्यक्तिगत रूप से सम्मान करते हैं, लेकिन उनके जैसे परिपक्व और प्रतिष्ठित व्यक्ति को राजनीति में कदम रखने से पहले, खासकर आम आदमी पार्टी के साथ जुड़ने से पहले, सभी विकल्पों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए था। भारती ने कहा कि पार्टी को उम्मीद थी कि अवध ओझा चुनाव परिणाम की परवाह किए बिना संगठन के साथ बने रहेंगे और लंबे समय तक पार्टी के लिए काम करेंगे। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पटपड़गंज सीट से टिकट देने से पहले पार्टी के पास कई ऐसे कार्यकर्ता थे जो शुरू से कड़ी मेहनत कर रहे थे, लेकिन फिर भी यह मौका अवध ओझा को इस भरोसे के साथ दिया गया कि वे पार्टी के साथ खड़े रहेंगे। अपने बयान में सोमनाथ भारती ने यह भी कहा कि अवध ओझा जैसे लोग ‘भारत का भविष्य’ हैं और उन्हें केवल एक चुनाव या हार-जीत के आधार पर पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने संकेत दिया कि ऐसे शिक्षाविद और सामाजिक प्रभाव रखने वाले लोग यदि राजनीति में टिके रहें, तो देश और राज्यों में सकारात्मक बदलाव संभव है। अवध ओझा के राजनीति से संन्यास के ऐलान के बाद AAP समर्थकों और राजनीतिक गलियारों में यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या यह फैसला जल्दबाजी में लिया गया या फिर इसके पीछे कोई गहरी वजह है। फिलहाल, ओझा खुद अपने फैसले पर अडिग नजर आ रहे हैं, लेकिन पार्टी के भीतर से उठ रही आवाजें इस मुद्दे को लंबे समय तक चर्चा में बनाए रखने के संकेत दे रही हैं।

श्रीलंका में चक्रवात पीड़ितों को मदद पहुंचा रहा है भारत का आईएनएस विक्रांत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का सबसे बड़ा स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत श्रीलंका में चक्रवात पीड़ितों तक सहायता पहुंचा रहा है। बीते दिनों आए भीषण चक्रवात ‘दित्वाह’ से श्रीलंका गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। चक्रवात की वजह से श्रीलंका में भारी जानमाल का नुकसान हुआ है। कई इलाकों में सड़कें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं, जबकि अनेक घर बाढ़ और लगातार हो रही बारिश के पानी में डूब गए हैं। ऐसे कठिन समय में भारतीय नौसेना ‘ऑपरेशन सागर बंधु’ के तहत राहत और बचाव कार्य चला रही है।

भारतीय नौसेना ने आईएनएस सुकन्या को त्रिंकोमाली में तैनात किया

राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए भारतीय नौसेना ने आईएनएस सुकन्या को त्रिंकोमाली में तैनात किया है। यह जहाज आवश्यक राहत सामग्री लेकर पहुंचा है, जिससे श्रीलंका में चल रहे सहायता अभियानों को और मजबूती मिली है। नौसेना के अनुसार आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरि को भी तुरंत राहत कार्यों में शामिल किया गया है। गौरतलब है कि भारतीय वायुसेना और राहतकर्मियों ने भी श्रीलंका में कई लोगों की जान बचाई है। भारत द्वारा चलाए जा रहे ‘ऑपरेशन सागर बंधु’ के तहत वायुसेना और नौसेना दोनों व्यापक मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियान में जुटे हुए हैं।

भारत और श्रीलंका के अधिकारियों के बीच निरंतर समन्वय किया जा रहा है ताकि सहायता सामग्री की आपूर्ति समय पर और प्रभावी ढंग से हो सके

आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरि श्रीलंका नौसेना की 75वीं वर्षगांठ पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू में शामिल होने के लिए कोलंबो पहुंचे थे। लेकिन चक्रवात के बाद इन्हें तत्काल राहत कार्यों में लगा दिया गया। दोनों जहाजों ने जरूरतमंद लोगों के लिए राहत सामग्री श्रीलंकाई प्रशासन को सौंप दी है। चक्रवाती तूफान दित्वाह के प्रभाव को देखते हुए भारतीय नौसेना ने समुद्री जहाजों पर मौजूद हेलीकॉप्टरों के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। भारतीय हेलीकॉप्टरों ने खोज एवं बचाव अभियानों को गति दी, जिसके परिणामस्वरूप कई श्रीलंकाई नागरिकों का सफलतापूर्वक बचाव किया गया। नौसेना के मुताबिक भारत और श्रीलंका के अधिकारियों के बीच निरंतर समन्वय किया जा रहा है ताकि सहायता सामग्री की आपूर्ति समय पर और प्रभावी ढंग से हो सके।

संकट के समय पड़ोसी देशों की सहायता के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता

भारतीय नौसेना की त्वरित और सशक्त प्रतिक्रिया ने एक बार फिर साबित किया है कि वह हिंद महासागर क्षेत्र में ‘फर्स्ट रिस्पॉन्डर’ की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह प्रयास भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और इंडो-पैसिफिक विजन के अनुरूप है, जो संकट के समय पड़ोसी देशों की सहायता के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारतीय नौसेना ने कहा है कि वह श्रीलंका के लोगों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हुए मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और क्षेत्र में एक विश्वसनीय, सक्षम और सक्रिय समुद्री साझेदार की भूमिका निभाती रहेगी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

विमान यात्री सुरक्षा के मानकों की निरंतर समीक्षा की ज़रूरत

एयरबस कंपनी के ए-320 विमानों में सामने आई तकनीकी खामी ने एक बार फिर वैश्विक विमानन उद्योग को चेताने का काम किया है कि केवल अत्याधुनिक तकनीक पर भरोसा करना पर्याप्त नहीं है। जितनी तेज़ी से तकनीक उन्नत हो रही है, उतनी ही गंभीरता से सुरक्षा प्रक्रियाओं की कठोरता, पारदर्शिता और निरंतर समीक्षा भी ज़रूरी होती जा रही है। ए-320 जैसे विश्वसनीय माने जाने वाले विमान, जिनकी संख्या दुनिया भर में छह हज़ार से अधिक है, उनमें विकिरण के कारण कंप्यूटर डेटा के प्रभावित होने का खतरा कोई मामूली विषय नहीं है। तकनीकी तौर पर भले ही इस समस्या को सॉफ्टवेयर अपडेट या सीमित हार्डवेयर बदलाव के ज़रिए सुलझाया जा सके, लेकिन असली सवाल यात्री सुरक्षा और निर्माण के दौरान की गुणवत्ता जांच की विश्वसनीयता से जुड़ा हुआ है। इस पूरी घटना का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जिस खामी का असर उड़ान के दौरान विमान के नियंत्रण पर पड़ सकता है, वह इतने वर्षों तक न तो निर्माण चरण के दौरान पकड़ी जा सकी और न ही नियमित टेस्टिंग प्रक्रियाओं में सामने आई। आमतौर पर आधुनिक विमानों को कई स्तरों पर जांच, सिमुलेशन, सर्टिफिकेशन और वास्तविक परिस्थितियों में परीक्षण से गुज़ारने के बाद ही व्यावसायिक उड़ानों की अनुमति मिलती है। फिर भी जब तक एक वास्तविक उड़ान में गंभीर स्थिति पैदा नहीं हुई, तब तक यह दोष उजागर नहीं हुआ। यह इस बात का संकेत है कि मौजूदा परीक्षण ढांचा अब बदलते तकनीकी जोखिमों के अनुरूप पर्याप्त नहीं रह गया है। 30 अक्टूबर को जेटब्लू की एक उड़ान के दौरान यह समस्या तब सामने आई जब विमान अचानक असंतुलित होकर नीचे की ओर झुकने लगा। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि पायलटों को तुरंत इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लेना पड़ा। जांच में सामने आया कि सोलर रेडिएशन के कारण नियंत्रण प्रणाली से जुड़ा डेटा करप्ट हो गया था, जिससे विमान के कंप्यूटर सिस्टम को गलत संकेत मिलने लगे। यह केवल एक तकनीकी गड़बड़ी नहीं थी, बल्कि यात्रियों की जान को सीधे खतरे में डालने वाली स्थिति थी। सौभाग्य से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन यही घटना यदि किसी और परिस्थितियों में होती, तो इसके परिणाम बेहद भयावह हो सकते थे। यह घटना वैश्विक विमानन उद्योग की उस धारणा को चुनौती देती है कि मौजूदा परीक्षण और प्रमाणन प्रणालियां हर संभावित खतरे को पहले ही पहचान लेने में सक्षम हैं। विडंबना यह है कि आधुनिक एयरोनॉटिक्स में डिज़ाइन वैलिडेशन, सॉफ्टवेयर टेस्टिंग, हार्डवेयर सर्टिफिकेशन और फ्लाइट सिमुलेशन जैसे अनेक चरण होते हैं। इसके बावजूद सोलर रेडिएशन जैसी प्राकृतिक लेकिन गंभीर चुनौती का वास्तविक प्रभाव केवल उड़ान के दौरान ही सामने आ सका। इससे यह साफ हो जाता है कि जैसे-जैसे विमानों में डिजिटल सिस्टम और ऑटोमेशन की जटिलता बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे परीक्षण का दायरा भी केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए।

दक्षिण एशिया की नई चालें: बांग्लादेश संकट, छात्र आंदोलन और बीजिंग–इस्लामाबाद–ढाका उभरता रणनीतिक त्रिकोण

-क्या ढाका की राजनीतिक उथल-पुथल आंतरिक असंतोष नहीं, बल्कि क्षेत्रीय भू-राजनीति की पटकथा है?

दक्षिण एशिया की राजनीति एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है। बीते एक वर्ष में बांग्लादेश में घटित घटनाएं केवल आंतरिक राजनीतिक उथल-पुथल भर नहीं लगतीं, बल्कि वे क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय शक्तियों के हितों, प्रतिस्पर्धाओं और रणनीतियों से गहरे जुड़ी प्रतीत होती हैं। जुलाई–अगस्त 2024 में ढाका और अन्य प्रमुख शहरों की सड़कों पर उमड़ा छात्र आंदोलन, उसके बाद सरकार की सख्त कार्रवाई, कट्टरपंथी संगठनों की सक्रियता और अब पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के फैसले ने पूरे दक्षिण एशिया को असहज कर दिया है। सवाल यह नहीं रह गया कि बांग्लादेश में क्या हो रहा है, बल्कि यह बन गया है कि इसके पीछे कौन-सी शक्तियां काम कर रही हैं और इसका असर भारत, पाकिस्तान, चीन तथा पूरे क्षेत्र पर क्या पड़ेगा।

छात्र आंदोलन: चेहरा या मोहरा?

इतिहास गवाह है कि दुनिया के लगभग हर बड़े राजनीतिक परिवर्तन की शुरुआत किसी न किसी जन-आंदोलन से हुई है। युवा और छात्र ऐसे आंदोलनों का सबसे सशक्त चेहरा बनते रहे हैं। बांग्लादेश का 2024 का छात्र आंदोलन भी पहली नजर में यही प्रतीत हुआ—सरकारी नीतियों के खिलाफ असंतोष, बेरोज़गारी, महंगाई और राजनीति में कथित दमन के विरुद्ध उबाल। ढाका विश्वविद्यालय और अन्य कैंपसों से उठी आवाज़ें धीरे-धीरे सड़कों तक पहुंचीं और देखते-देखते यह आंदोलन राष्ट्रीय बहस का केंद्र बन गया। लेकिन जैसे-जैसे समय बीता, यह प्रश्न गहराता गया कि क्या ये आवाज़ें केवल छात्रों की थीं? या छात्र केवल वह मुखौटा थे, जिसके पीछे कहीं अधिक संगठित और ताकतवर शक्तियां काम कर रही थीं? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आंदोलन की दिशा, उसकी समय-सीमा और

उसके बाद घटित घटनाएं किसी स्वतःस्फूर्त असंतोष से अधिक एक सुनियोजित रणनीति का आभास देती हैं।

बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति और 1971 की स्मृति

बांग्लादेश की राजनीति 1971 के मुक्ति संग्राम की स्मृतियों से कभी अलग नहीं हो पाई है। शेख मुजीबुर रहमान की विरासत, अवामी लीग की राजनीति और पाकिस्तान के साथ कटु संबंध—यह सब देश के राजनीतिक डीएनए का हिस्सा है। शेख हसीना वाजेद ने सत्ता में रहते हुए 1971 के युद्ध अपराधियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण की स्थापना की थी, जिसे उनके समर्थक ऐतिहासिक न्याय का प्रतीक मानते हैं। विडंबना यह है कि आज उसी न्यायाधिकरण का नाम शेख हसीना के राजनीतिक भविष्य से जुड़ गया है। जिस व्यवस्था को उन्होंने अपने पिता की हत्या और 1971 के नरसंहार के दोषियों को सज़ा दिलाने के लिए मज़बूत किया था, उसी का इस्तेमाल अब उनके विरोधी उनके खिलाफ कर रहे हैं—ऐसा आरोप उनके समर्थक लगाते हैं। यह बदलाव केवल घरेलू राजनीति का परिणाम नहीं लगता, बल्कि इसके पीछे बाहरी दबावों और समर्थन की अटकलें भी तेज़ हैं।

कट्टरपंथी उभार और संगठित असंतोष

छात्र आंदोलन के समानांतर बांग्लादेश में कट्टरपंथी संगठनों की सक्रियता पर भी ध्यान गया। जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठन, जिन पर लंबे समय से 1971 के युद्ध अपराधों की छाया रही है, फिर से सड़कों पर दिखने लगे। सोशल मीडिया अभियानों, मस्जिदों और धार्मिक सभाओं के जरिए एक वैकल्पिक राजनीतिक नैरेटिव गढ़ा गया—जिसमें सरकार को 'तानाशाह', 'इस्लाम विरोधी' और 'विदेशी ताकतों की कठपुतली' के रूप में पेश किया गया। यह वही पैटर्न है, जो दुनिया के कई हिस्सों में देखा गया है—जहां जन आंदोलनों के भीतर कट्टरपंथी ताकतें घुसपैठ कर उन्हें अपनी दिशा देने की कोशिश करती हैं। बांग्लादेश में भी ऐसा ही कुछ हुआ या नहीं, यह पूरी तरह सिद्ध होना अभी बाकी है, लेकिन संकेत इस ओर ज़रूर इशारा करते हैं कि आंदोलन की ऊर्जा को कुछ संगठनों ने सुनियोजित ढंग से अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश की।

पाकिस्तान का कारक: रावलपिंडी की छाया?

बांग्लादेश-पाकिस्तान संबंधों का इतिहास संघर्ष, अविश्वास और दर्द से भरा रहा है। 1971 के बाद से दोनों देशों के रिश्ते कभी पूरी तरह सामान्य नहीं हो सके। पाकिस्तान की सैन्य और खुफिया एजेंसियों पर लंबे समय से यह आरोप लगता रहा है कि वे बांग्लादेश की राजनीति में पर्दे के पीछे से भूमिका निभाने की कोशिश करती रही हैं—खासतौर पर उन शक्तियों के समर्थन में, जो अवामी लीग के विरोध में हैं। आज जब ढाका की सड़कों पर उठे आंदोलन और उसके बाद की घटनाओं को देखा जाता है, तो यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या रावलपिंडी और इस्लामाबाद के बंद कमरों में भी इसकी कोई पटकथा लिखी जा रही थी? सीधे प्रमाणों का अभाव हो सकता है, लेकिन दक्षिण एशिया की राजनीति में 'संयोग' कम और 'रणनीति' अधिक होती है। पाकिस्तान के लिए बांग्लादेश में अवामी लीग का कमजोर होना और भारत-समर्थित सरकार का हटना रणनीतिक लाभ का विषय है—इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता।

चीन की भूमिका: आर्थिक साझेदारी या रणनीतिक विस्तार?

इस पूरी तस्वीर में चीन का प्रवेश मामले को और जटिल बना देता है। पिछले एक दशक में चीन ने बांग्लादेश में भारी निवेश किया है—इंफ्रास्ट्रक्चर, बंदरगाह, ऊर्जा और परिवहन परियोजनाओं में। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) के तहत ढाका, बीजिंग के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार बन चुका है। चीन के हित मुख्यतः आर्थिक और रणनीतिक हैं। हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ाना, भारत की बढ़ती क्षेत्रीय भूमिका को संतुलित करना और दक्षिण एशिया में विकल्प तैयार रखना—ये सभी लक्ष्य चीन की दीर्घकालिक नीति का हिस्सा हैं। यदि बांग्लादेश की राजनीतिक दिशा बदलती है और वह चीन-पाकिस्तान-केंद्रित धुरी की ओर झुकता है, तो यह नई 'रणनीति त्रिकोण' की नींव बन सकती है।

बीजिंग–इस्लामाबाद–ढाका: उभरता हुआ त्रिकोण?

चीन और पाकिस्तान के रिश्ते 'ऑल-वेदर फ्रेंडशिप' के नाम से मशहूर हैं। CPEC इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यदि बांग्लादेश भी इस धुरी के नज़दीक आता है, तो दक्षिण एशिया की भू-राजनीति में एक नया संतुलन उभर सकता है। यह त्रिकोण न केवल भारत के लिए रणनीतिक चुनौती पेश कर सकता है, बल्कि क्षेत्रीय सहयोग और सुरक्षा ढांचे को भी प्रभावित कर सकता है। बांग्लादेश के लिए यह विकल्प आकर्षक भी हो सकता है—विशेषकर तब, जब पश्चिमी देशों और भारत के साथ संबंध तनावपूर्ण हों। लेकिन इसका जोखिम भी बड़ा है: आर्थिक निर्भरता, कर्ज़ का दबाव और आंतरिक अस्थिरता।

शेख हसीना का मामला: न्याय या राजनीति?

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को इंटरनेशनल ट्रिब्यूनल द्वारा सुनाई गई सज़ा को लेकर गहरी बहस छिड़ गई है। समर्थकों का कहना है कि यह राजनीतिक प्रतिशोध का चरम उदाहरण है, जबकि विरोधी इसे कानून के शासन की जीत बताते हैं। सच शायद इन दोनों के बीच कहीं है। अगर यह फैसला वाकई उसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य बांग्लादेश की सत्ता संरचना को बदलना और उसे एक नई दिशा में मोड़ना है, तो इसके दूरगामी परिणाम होंगे। इतिहास ने कई बार दिखाया है कि जब न्यायिक संस्थानों का राजनीतिकरण होता है, तो लोकतंत्र कमजोर होता है।

वैश्विक संदर्भ में बांग्लादेश की कहानी

यह कहानी केवल बांग्लादेश तक सीमित नहीं है। अरबी स्प्रिंग से लेकर यूरोप और अमेरिका तक, हालिया दशकों में अनेक युवा आंदोलन सामने आए हैं। लगभग हर जगह एक समान पैटर्न दिखाई देता है—युवा आक्रोश, सोशल मीडिया की भूमिका, बाहरी समर्थन, और अंत में सत्ता संतुलन में बदलाव। बांग्लादेश का अनुभव भी इसी वैश्विक प्रवृत्ति की एक कड़ी के रूप में देखा जा सकता है।

ई-कचरे की बढ़ती चुनौती: बदलते उत्पादन और उपभोग तरीकों के बिना संभव नहीं पर्यावरण, स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा

-तेजी से बढ़ता इलेक्ट्रॉनिक कचरा भारत और दुनिया के लिए गंभीर संकट बनता जा रहा है

इलेक्ट्रॉनिक कचरा या ई-कचरा आज की आधुनिक, तकनीक-प्रधान दुनिया की सबसे गंभीर और तेजी से बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक बन चुका है। मोबाइल फोन, लैपटॉप, टीवी, फ्रिज, एसी, वॉशिंग मशीन, स्मार्ट वॉच, टैबलेट और असंख्य अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों ने हमारे जीवन को सुविधा-समृद्ध जरूर बना दिया है, लेकिन इनकी कीमत प्रकृति और मानव स्वास्थ्य को चुकानी पड़ रही है। संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्टें साफ इशारा करती हैं कि यदि उत्पादन, उपभोग और कचरा प्रबंधन के वर्तमान तौर-तरीकों में मूलभूत बदलाव नहीं किया गया, तो 2025 और उसके बाद के वर्षों में ई-कचरा एक वैश्विक आपदा का रूप ले सकता है।

ई-कचरे का बढ़ता पहाड़

आज की तारीख में दुनिया में ई-कचरे का उत्पादन अभूतपूर्व गति से बढ़ रहा है, जबकि इसके पुनर्चक्रण और सुरक्षित निपटान की रफ्तार बहुत धीमी है। यह अंतर हर साल और चौड़ा होता जा रहा है। विश्व ने वर्ष 2022 में लगभग 6.2 करोड़ टन ई-कचरा उत्पन्न किया। यह मात्रा इतनी अधिक है कि यदि 40-40 टन वाले ट्रकों की कतार बनाई जाए, तो वे पूरी पृथ्वी के चारों ओर कई बार चक्कर लगा सकते हैं। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर मंडराते खतरे का प्रतीक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के अनुसार, यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो 2030 तक यह आंकड़ा 7.4 करोड़ टन से भी अधिक हो सकता है। चिंता की बात यह है कि इस विशाल कचरे का केवल करीब 20 प्रतिशत ही औपचारिक और वैज्ञानिक तरीके से पुनर्चक्रित किया जाता है। शेष कचरा या तो लैंडफिल में दफन कर दिया जाता है, या फिर खुले में जलाया जाता है, जिससे गंभीर पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संकट पैदा होते हैं।

भारत की चिंताजनक स्थिति

वैश्विक परिदृश्य में भारत की स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। चीन और अमरीका के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ई-कचरा उत्पादक देश बन चुका है। वर्ष 2025 में भारत में ई-कचरे का अनुमानित उत्पादन 2.2 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंचने की संभावना है। पिछले कुछ वर्षों में देश में ई-कचरे के उत्पादन में 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। यह तेजी भारत की बढ़ती आबादी, डिजिटल क्रांति, शहरीकरण और उपभोक्तावादी संस्कृति का प्रत्यक्ष परिणाम है। भारत में स्मार्टफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का जीवनकाल लगातार कम होता जा रहा है। हर साल नए मॉडल, नई तकनीक और आक्रामक विज्ञापन उपभोक्ताओं को पुराने उपकरण बदलने के लिए प्रेरित करते हैं। नतीजतन, उपयोग के लायक उपकरण भी कचरे में बदल जाते हैं।

अनौपचारिक पुनर्चक्रण: बड़ी चुनौती

भारत की सबसे बड़ी समस्या ई-कचरे के प्रबंधन में अनौपचारिक पुनर्चक्रण क्षेत्र का वर्चस्व है। अनुमान के अनुसार, भारत में 90 प्रतिशत से अधिक ई-कचरे का निपटान अनौपचारिक क्षेत्र द्वारा किया जाता है। यह क्षेत्र सस्ता जरूर है, लेकिन बेहद खतरनाक और अवैज्ञानिक तौर-तरीकों पर आधारित है। अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक—जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी शामिल होते हैं—बिना किसी सुरक्षा उपकरण के ई-कचरे को तोड़ते-फोड़ते हैं। वे सीसा, पारा, कैडमियम, क्रोमियम और अन्य जहरीली धातुओं के सीधे संपर्क में आते हैं। ये विषैले तत्व त्वचा, फेफड़ों और तंत्रिका तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। लंबे समय तक इनके संपर्क में रहने से कैंसर, सांस की बीमारियां, मानसिक विकार और जन्मजात दोष जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अलावा, खुले में तारों को जलाकर तांबा निकालना, तेजाब से सर्किट बोर्ड धोना और प्लास्टिक को बिना फिल्टर के जलाना—ये सभी प्रक्रियाएं वायु, जल और मिट्टी को विषाक्त बना देती हैं। इसका असर केवल श्रमिकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आसपास रहने वाले लोगों और पूरे पर्यावरण पर पड़ता है।

पर्यावरण पर विनाशकारी प्रभाव

ई-कचरा केवल मानव स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी एक साइलेंट किलर है। ई-कचरे में मौजूद भारी धातुएं और रसायन मिट्टी में मिलकर उसकी उर्वरता को खत्म कर देते हैं। जब ये तत्व भूजल में पहुंचते हैं, तो पीने के पानी को प्रदूषित करते हैं। नदियों और झीलों में पहुंचने पर यह जलीय जीवों को नुकसान पहुंचाते हैं और जैव विविधता को खतरे में डालते हैं। इसके अतिरिक्त, ई-कचरे के जलने से निकलने वाली जहरीली गैसें—जैसे डाइऑक्सिन और फ्यूरान—वायु प्रदूषण को बढ़ाती हैं और जलवायु परिवर्तन की समस्या को और गंभीर बनाती हैं। इस तरह ई-कचरा पर्यावरणीय संकट की कई परतों को एक साथ जन्म देता है।

कानून और नीतियां: कागज पर मजबूत, जमीन पर कमजोर

भारत में ई-कचरे के प्रबंधन के लिए ई-वेस्ट (मैनेजमेंट) नियम बनाए गए हैं, जिनमें एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी (EPR) का प्रावधान शामिल है। इसके तहत कंपनियों को अपने उत्पादों के पूरे जीवनचक्र—उत्पादन से लेकर निपटान तक—की जिम्मेदारी लेनी होती है। लेकिन व्यवहार में इन नियमों का प्रभाव सीमित रहा है। कई कंपनियां नियमों का पालन केवल कागजों तक सीमित रखती हैं। औपचारिक पुनर्चक्रण इकाइयों की संख्या और क्षमता दोनों अपर्याप्त हैं। इसके साथ ही आम नागरिकों में ई-कचरे को अलग से इकट्ठा करने और सही जगह पर देने की जागरूकता भी कम है।

उत्पादन और उपभोग में बदलाव की अनिवार्यता

ई-कचरे की समस्या का स्थायी समाधान केवल बेहतर रीसायक्लिंग से नहीं हो सकता। इसके लिए उत्पादन और उपभोग के तरीके बदलना अनिवार्य है। सबसे पहले हमें "इस्तेमाल करो और फेंको" वाली संस्कृति से बाहर निकलना होगा। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को इस तरह डिजाइन किया जाना चाहिए कि वे अधिक टिकाऊ हों, आसानी से मरम्मत योग्य हों और उनके पुर्जे बदले जा सकें। आज कई कंपनियां जानबूझकर ऐसे उत्पाद बनाती हैं।

बदलते दौर में नेतृत्व की नई कसौटी, जहाँ अनुकूलन क्षमता, विवेकपूर्ण फैसले और सिद्धांतों पर अडिग रहना सफलता तय करता है

-सच्चा लीडर बदलाव से डरता नहीं, उसे समझकर संतुलन, धैर्य और दूरदृष्टि के साथ आगे बढ़ाता है

लगातार बदलते दौर में एक बात अब स्पष्ट हो चुकी है—स्थिरता का अर्थ जड़ता नहीं, बल्कि समझदारी भरी निरंतरता है। आज का समय अनिश्चितताओं, तेज़ तकनीकी बदलावों, बदलती बाज़ार स्थितियों और बदलती मानवीय अपेक्षाओं का समय है। ऐसे में नेतृत्व की पारंपरिक परिभाषा—जो केवल नियंत्रण, आदेश और अडिगता पर आधारित थी—अब पर्याप्त नहीं रह गई। आज लीडर का काम बदलाव का विरोध करना नहीं, बल्कि उसे समझना, दिशा देना और विवेक के साथ सुलझाना है। यही वह बुनियादी बदलाव है जो अनुकूलनशील नेतृत्व को आज की सबसे आवश्यक नेतृत्व क्षमता बनाता है।

अनुकूलन क्षमता: विकल्प नहीं, आवश्यकता

अनुकूलन क्षमता अब कोई वैकल्पिक गुण नहीं रही जिसे कुछ नेता अपनाएं और कुछ नहीं। यह आज के समय की मूल आवश्यकता बन चुकी है। जिस तरह मौसम बदलता है, उसी तरह कारोबारी माहौल, सामाजिक ढांचे, कार्य संस्कृति और तकनीक भी बदल रही है। जो संगठन और जो नेता इन बदलावों के साथ अपने सोचने, काम करने और निर्णय लेने के तरीकों को समायोजित नहीं कर पाते, वे धीरे-धीरे अप्रासंगिक हो जाते हैं। आज का नेता वही है जो परिवर्तन को खतरे की तरह नहीं, अवसर की तरह देखता है। वह जानता है कि हर बदलाव अपने साथ असुविधा और जोखिम लाता है, लेकिन वही बदलाव भविष्य की संभावनाओं का द्वार भी खोलता है। अनुकूलनशील नेता इन संभावनाओं को पहचानता है और अपने संगठन या टीम को उसी दिशा में आगे ले जाता है।

नेतृत्व का वास्तविक काम: सुलझाना, संघर्ष करना नहीं

अक्सर देखा गया है कि बदलाव के समय लोग दो हिस्सों में बंट जाते हैं—एक वे जो बदलाव का अंधविरोध करते हैं और दूसरे वे जो बिना सोचे-समझे हर नई चीज़ को अपनाने के लिए तैयार हो जाते हैं। सच्चा नेता इन दोनों अतियों से ऊपर उठता है। उसका काम न तो बदलाव से लड़ना है और न ही उसके सामने पूरी तरह आत्मसमर्पण करना है। उसका काम है बदलाव को समझना, उसके असर का मूल्यांकन करना और फिर सोच-समझकर रास्ता निकालना। बुद्धिमत्तापूर्ण नेतृत्व वही है जो धैर्य, सौजन्य और स्पष्ट सोच के साथ निर्णय लेता है। ऐसा नेता जानता है कि हर बदलाव तुरंत परिणाम नहीं देता, लेकिन सही दिशा में किए गए छोटे-छोटे समायोजन भी लंबे समय में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

अनुकूलनशील लीडर: प्रवाह के साथ, लेकिन लक्ष्य पर नजर

कई बार अनुकूलनशीलता को केवल "लचीला होना" समझ लिया जाता है। लेकिन वास्तव में अनुकूलनशील नेता केवल परिस्थितियों के साथ बहता नहीं है। वह अपनी मंज़िल को स्पष्ट रूप से जानता है। फर्क बस इतना है कि जब रास्ते में रुकावट आती है तो वह ज़िद पर अड़ा नहीं रहता। वह अपने कदमों की गति और दिशा को समायोजित करता है, लेकिन लक्ष्य से दृष्टि नहीं हटाता। नदी इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। नदी चट्टान से टकराती है तो रुकती नहीं, बल्कि रास्ता बदल लेती है। उसका उद्देश्य समुद्र तक पहुंचना होता है और वह अंततः वहां पहुंच ही जाती है। यही गुण एक अनुकूलनशील लीडर में होना चाहिए—दिशा बदलने की क्षमता, लेकिन उद्देश्य के प्रति अडिग प्रतिबद्धता।

अनुकूलन की शुरुआत: मानसिकता से

अनुकूलनशील नेतृत्व की जड़ किसी रणनीति या तकनीक में नहीं, बल्कि मानसिकता में होती है। जिन नेताओं में विकासशील मानसिकता (Growth Mindset) होती है, वे मानते हैं कि सीखना जीवनभर चलने वाली प्रक्रिया है। वे यह स्वीकार करते हैं कि वे सब कुछ नहीं जानते और उन्हें बार-बार सीखने की ज़रूरत है। ऐसे नेता न केवल सीखने के लिए तैयार रहते हैं, बल्कि यह भी मानते हैं कि कभी-कभी सीखे हुए को भूलना भी पड़ता है। पुराने तरीकों से भावनात्मक रूप से जुड़े रहने के बजाय वे वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करते हैं—क्या यह तरीका आज भी उतना ही प्रभावी है? क्या यह हमें हमारे लक्ष्य के करीब ले जा रहा है? यदि उत्तर 'न' है, तो वे नये विकल्प खोजने से नहीं हिचकिचाते।

परंपरा और परिवर्तन के बीच संतुलन

अनुकूलनशील नेता परंपरा का सम्मान करते हैं, लेकिन उसके बंदी नहीं बनते। वे जानते हैं कि हर परंपरा किसी समय में उपयोगी रही है, लेकिन समय बदलने पर हर परंपरा की समीक्षा ज़रूरी है। यहाँ संतुलन की भूमिका सबसे अहम हो जाती है। एक समझदार लीडर यह तय करता है कि किन मूल्यों को स्थिर रखना है और किन प्रक्रियाओं में बदलाव लाना है। मूल्य आत्मा होते हैं और प्रक्रियाएं शरीर। आत्मा को खोए बिना शरीर को बदला जा सकता है। यही संतुलन संगठन को न केवल जीवित रखता है, बल्कि उसे आगे बढ़ने की शक्ति भी देता है।

सिद्धांतों की अखंडता, तरीकों में लचीलापन

सच्ची अनुकूलनशीलता का अर्थ सिद्धांतों से समझौता करना नहीं है। यह एक आम भ्रांति है कि लचीला नेता अपने मूल्यों को त्याग देता है। वास्तव में स्थिति इसके ठीक उलट है। अनुकूलनशील नेता अपने सिद्धांतों के प्रति उतना ही दृढ़ होता है, जितना वह अपने तरीकों में लचीला होता है। ईमानदारी, पारदर्शिता, न्याय और सम्मान जैसे मूल्य समय के साथ नहीं बदलते। लेकिन इन्हें लागू करने के तरीके समय, स्थान और परिस्थिति के अनुसार बदल सकते हैं। यही कला एक लीडर को साधारण प्रशासक से अलग बनाती है।

असुविधा: एक शिक्षक के रूप में

बदलाव के साथ असुविधा आना स्वाभाविक है। अनिश्चितता, अस्पष्टता और अस्थिरता लोगों को असहज करती है। लेकिन अनुकूलनशील नेता असुविधा से भागते नहीं, वे उसे सीखने के अवसर के रूप में देखते हैं। ऐसा नेता यह समझता है कि आरामदायक हालात अक्सर विकास को सीमित कर देते हैं। जब स्थितियां चुनौतीपूर्ण होती हैं, तभी व्यक्ति और संगठन अपनी वास्तविक क्षमताओं को पहचानते हैं। अनुकूलनशील नेता इस असुविधा में भी स्पष्टता खोजने की कोशिश करते हैं और अपनी टीम को भरोसा दिलाते हैं कि यह दौर भी सीख और प्रगति लेकर आएगा।

अस्पष्टता में भी स्पष्टता की खोज

आज का समय "स्पष्ट निर्देशों" का नहीं, बल्कि "अस्पष्ट परिस्थितियों" का समय है। हर सवाल का सीधा जवाब उपलब्ध नहीं होता।

मुख्यमंत्री का नई दिल्ली दौरा:

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की मुलाकात

-केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित अन्य केंद्रीय मंत्रियों से भी की शिष्टाचार भेंट

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अपने नई दिल्ली दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट कर उन्हें राज्य की डबल इंजन सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति और राजस्थान के विकास के रोडमैप की विस्तृत जानकारी दी। शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देता रहेगा।

शर्मा ने संसद भवन पहुंचकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ से भी मुलाकात की। इस दौरान तीनों नेताओं के बीच राजस्थान के चहुंमुखी विकास और केंद्र एवं राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की। इस दौरान शर्मा ने शाह को राजस्थान में विकास और सुशासन की दिशा में किए जा रहे नवाचारों, लोक कल्याणकारी योजनाओं व सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

शर्मा ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एवं रसायन व उर्वरक मंत्री श्री जे.पी. नड्डा से शिष्टाचार भेंट कर नड्डा को उनके जन्मदिवस पर शुभकामनाएं दी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे आधुनिक सुधारों, चिकित्सा सेवाओं के सशक्तीकरण तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति पर विचार-विमर्श हुआ।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को ही केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की। इस दौरान राज्य में कुशल वित्तीय प्रबंधन, जीएसटी सुधारों से आमजन को हुए फायदों सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

कुमावत व कुरैशी ने ऊर्जामंत्री का आभार जताया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। ऊर्जा मंत्री द्वारा एक मीटिंग आयोजित की गई जिसमें 2 दिसंबर 2025 को एसबीआई के द्वारा जो दुर्घटना बीमा का एमओयू साइन हुआ था उसके तहत मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को चेक वितरित किए गए । आल राजस्थान इलेक्ट्रिसिटी एम्प्लॉइज फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश कुमावत व प्रदेश महामंत्री मोहम्मद यूसुफ कुरेशी ने बताया कि लगभग 19 कर्मचारियों के मृतक आश्रितों को यह चेक दिए गए यह चेक प्रत्येक कर्मचारी को एक करोड़ 10 लख रुपए के चेक चेक दिए गए एवं एसबीआई ने अन्य योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जिसमें कर्मचारियों के अन्य बीमा भी शामिल थे जिसमें रिटायरमेंट पश्चात भी 30 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा भी एसबीआई के द्वारा दिया जा रहा है ।

इस कार्यक्रम में राजस्थान विद्त निगमो के ऊर्जा सचिव एवं राजस्थान डिस्कॉम की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आरती डोगरा मैडम विद्त विभाग के आल्हा अधिकारी एवं एसबीआई बैंक के जनरल मैनेजर सहित विभिन्न श्रमिक संगठनों के पदाधिकारी भी शामिल थे। ऑल राजस्थान इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज यूनियन से प्रदेश अध्यक्ष दिनेश कुमावत और महासचिव यूसुफ कुरैशी भी इस मीटिंग में शामिल हुए और उन्होंने ऊर्जा मंत्री जी का आभार व्यक्त किया।

दिल्ली रैली के लिए कांग्रेस का 'पावर प्लान' तैयार

-हर विधानसभा से जुटेंगे 1000 कार्यकर्ता

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आगामी 14 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली कांग्रेस की महारैली को लेकर जयपुर में तैयारियां तेज हो गई हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी (PCC) की बैठक में राजधानी जयपुर से भीड़ जुटाने का एक बड़ा 'पावर प्लान' तैयार किया गया है। 8 हजार कार्यकर्ताओं का टारगेट पार्टी ने जयपुर शहर की सभी 8 विधानसभा सीटों के लिए एक विशेष मिशन लॉन्च किया है। रणनीति के मुताबिक, हर विधानसभा क्षेत्र से कम से कम 1,000 कार्यकर्ताओं को दिल्ली ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यानी अकेले जयपुर शहर से करीब 8,000 कार्यकर्ता दिल्ली रैली में अपनी ताकत दिखाएंगे। पीसीसी में बनी रणनीति इस रैली को सफल बनाने के लिए पीसीसी में हुई बैठक में पदाधिकारियों और नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी का मकसद दिल्ली में होने वाले इस आयोजन में राजस्थान, और विशेषकर जयपुर की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराना है।

जयपुर में दिव्यांगजनों के लिए फिजियोथैरेपी जागरूकता शिविर का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा के दिशानिर्देशन में जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल एवं स्पेशल पुलिस कमिश्नर ऑपरेशंस राहुल प्रकाश के निर्देशानुसार रिजर्व पुलिस लाईन चांदपोल जयपुर में जयपुर पुलिस के सौजन्य से रि-लाईफ हॉस्पिटल के द्वारा विश्व अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य पर दिव्यांगजनों के लिए फिजियोथैरेपी जागरूकता शिविर का आयोजन किया। फिजियोथैरेपी जागरूकता शिविर प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक दिव्यांग जनों की निःशुल्क जांच कर परामर्श दिया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त लाखन मीणा, पुलिस निरीक्षक (आरआई) श्रीमति सपना पूनियां, रिजर्व पुलिस लाईन के डॉ. अखिलेश मीणा, डॉ. गिरिराज एवं रि-लाईफ हॉस्पिटल के डॉ. अवतार डोई सहित पुलिस अधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

कुड़ी ने केंद्र सरकार से दौसा-मनोहरपूर हाइवे 4 लेन अविलम्ब बनाने की मांग की

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। किसी को भी भुखे नही सोने देने वाले, दरियादिल, ग़रीबो के मसीहा, दयालु, सामूहिक विवाह सम्मेलन में बढ़ चढ़ कर भाग लेने वाले, विद्यालयों में कम्प्यूटर मय सभी सामान के देने वाले, विद्यालयों के प्रवेश द्वार और चबूतरा बनाने वाले भामाशाह मोहन लाल कुड़ी ने भारत सरकार को पत्र लिखकर दौसा-मनोहरपूर रोड को 4 लेन अविलंब बनाने की मांग की है। कुड़ी साहब ने बताया कि इस रोड पर आए दिन दुर्घटनाएं होती है जिससे कई लोग स्वर्ग चले गए व कई लोग नारकीय जीवन जीने पर मजबूर हो रहे है। कुड़ी साहब ने कहा कि बार बार दुर्घटनाओं के समाचार से दिल दहल उठता है उनकी चीख और पुकार देख व सुनकर बहुत दुःख होता है उल्लेखनीय है कि कुड़ी साहब ने दोसा मनोहरपूर रोड को 4 लेन बनवाने की मांग की थी इस पर भारत सरकार ने कुड़ी साहब का सुझाव मान लिया है अब दौसा - मनोहरपूर रॉड 4 लेन बनने से जनता को राहत मिलेगी! उल्लेखनीय है कि दौसा - मनोहरपूर रोड ओर आए दिन एक्सीडेंट होते रहते है इससे कई लोग तो मर चुके है और कई लोग नारकीय जीवन जीने पर मजबूर है! दयालु कुड़ी साहब से इनका दुःख नही देखा गया और इन्होंने भारत सरकार से मांग की थी इनकी जायज मांग को मान लिया गया है इस पर क्षेत्रवासी कुड़ी साहब का शुक्रिया अदा कर रहे है।

जलमहल की पाल के सौन्दर्यकरण के लिये सक्रिय हुई निगम की टीम

-टाइल रिप्लेसमेंट और सफाई व्यवस्था की तैयारियों का निरीक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर पर्यटन स्थलों एवं धार्मिक स्थलों की सफाई व्यवस्था एवं सौन्दर्यकरण के लिये टीमों द्वारा मिशन मोड पर कार्य किया जा रहा है। इंजीनियरिंग विंग ने मंगलवार को जल महल की पाल पर चल रहे मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रवण वर्मा निरीक्षण के लिए मौके पर पहुंचे और कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि पर्यटक सीजन एवं प्रवासी राजस्थानी दिवस के मध्यनजर शहर की खूबसूरती और व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। हाल ही में पर्यटक स्थलों एवं धार्मिक स्थल एवं अन्य स्थानों पर 100 से अधिक नये डस्टबिन लगाये गये है। 270 से अधिक कचरा डिपो को हटाकर उस स्थानों का सौन्दर्यकरण किया गया है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, अधीक्षण अभियंता किशनलाल मीणा, अधिशाषी अभियंता बहादुर सिंह और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पाल पर मरम्मत और रंग-रोगन कार्य जारी:-

जल महल की पाल पर वर्तमान में रंग-रोगन एवं रिपेयरिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

कुछ स्थानों पर जाली को बदला गया है। पाल के किनारों और दीवारों पर रंग-रोगन का कार्य चल रहा है। आसपास के क्षेत्र में सड़क व पैदल पथ की छोटी-मोटी मरम्मत भी की जा रही है। सफाई व्यवस्था को और मजबूत किया गया। उन्होंने बताया कि जल महल क्षेत्र में रोजाना बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए निगम ने विशेष सफाई टीम लगाई है। तालाब के आसपास और पाल क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान संचालित किया जा रहा है। कचरा निस्तारण और पाथवे की धुलाई जैसे कार्य निरंतर जारी हैं।

हवा महल जोन और गार्डन शाखा की टीमें सक्रिय:-

निरीक्षण के दौरान वर्मा ने बताया कि हवा महल जोन के अधिशाषी अभियंता बहादुर सिंह और उनकी इंजीनियरिंग टीम तेज गति से काम कर रही है। वहीं गार्डन शाखा द्वारा भी पाल क्षेत्र में हरियाली, पौधों की ट्रिमिंग और सौंदर्यीकरण के कार्य किए जा रहे हैं।

जल्द पूर्ण होंगे कार्य, अधिकारियों को मिले निर्देश:-

आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मरम्मत कार्य निर्धारित समय में पूरे किए जाएं। पर्यटक स्थलों के आसपास सफाई व्यवस्था सुदृढ़ की जाए। रंग-रोगन तथा टाइल मरम्मत में गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने बताया कि फिलहाल कार्य तेजी से प्रगति पर है पर्यटकों को बेहतर और आकर्षक वातावरण देने के लिए सभी विकास एवं मरम्मत कार्य समय पर पूरे कर दिए जाएंगे।

मनोहरपुर वार्ड 23 की बिगड़ती हालात पर फूटा जन-आक्रोश

-गंदगी, बदबू और मच्छरों से त्रस्त लोग बोले: "नगर पालिका सोई हुई है!"

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर पालिका के वार्ड 23 सारवान मोहल्ला से छिपीयो का मोहल्ला की ओर जा रहे मार्ग की नालियों की समय पर सफाई नहीं होने से हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि अब गली-मोहल्लों में रहना तक मुश्किल हो गया है। नालियों का गंदा पानी सड़कों पर फैलकर लोगों के घरों के सामने गंदगी का अंबार लगा रहा है। कीचड़ और बदबू के कारण लोगों का जीना दूभर हो गया है, वहीं मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से गंभीर बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है।अब हालात ऐसे हैं कि वहां के मकान नालियों के बराबर हो चुकी है।सदके मकान से ऊंची हो गई है।अब इनकी मांग है कि सड़क खुदवाकर दोबारा सड़क बनाई जाए।

शिकायतें दी, पर सुनवाई नहीं—जनता नाराज़:

स्थानीय निवासियों ने नाराजगी जताते हुए बताया कि ग्राम पंचायत के समय ओर इससे पूर्व में चेयरमैन सुनीता प्रजापत, अधिशाषी अधिकारी प्रवीण शर्मा, सीमा चौधरी और हरिनारायण यादव को कई बार लिखित और मौखिक रूप से समस्या से अवगत करवाया गया, लेकिन न तो नालियों की सफाई हुई और न ही सड़क की मरम्मत हुई। नाराज लोगों ने कहा कि नगर पालिका को समय पर बताया, पर कार्य शून्य रहा समस्या बढ़ती गई और अधिकारी देखते रहे। ऐसे में बारिश होने पर हालात और बिगड़ जाते हैं। नालियों के पास खड़े होना भी मुश्किल हो जाता है। पानी उफनकर पूरे रास्ते को दलदल बना देता है। वही नासिर कुरैशी ने बताया कि जब उन्होंने चेयरमैन से उनके कार्यकाल में इस रोड निर्माण को लेकर बातचीत की तो चेयरमैन ने कहा कि इस रोड का वर्क ऑर्डर निकल चुका है, लेकिन अधिशाषी अधिकारी काम में लापरवाही बरत रहे हैं, जिससे जनता को परेशानी झेलनी पड़ रही है। वार्डवासियों ने नगर पालिका से स्पष्ट मांग की है कि मार्ग पर तुरंत पुरानी सड़क तोड़कर दोबारा सड़क डाली जाए। और नालियों का पुनर्निर्माण और नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए।

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों पर निगम का बड़ा वार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर के आदर्श नगर जोन ने दो अलग-अलग स्थानों पर सरकारी भूमि पर हो रहे अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया है। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर उपायुक्त आदर्श नगर जोन राजेंद्र कुमार के नेतृत्व में दो स्थानों पर कार्रवाई की गई। निगम की त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध कब्जा करने वालों में हड़कंप मच गया है।

पहली कार्रवाई : जामडोली में अवैध छत निर्माण ध्वस्त

जोन उपायुक्त राजेंद्र कुमार ने बताया कि जोन टीम को सूचना मिली कि जामडोली स्थित केशव विद्यापीठ स्कूल क्षेत्र में बिना किसी अनुमति के छत निर्माण किया जा रहा है। मौके पर पहुंचकर टीम ने पाया कि निर्माण कार्य तेजी से चल रहा था। इस पर संबंधित को नोटिस देकर काम रुकवाने के लिए कहा गया, लेकिन निर्माणकर्ता ने काम जारी रखा, इस पर टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए निर्माण को लोकण्डा मशीन की सहायता से पंक्चर कर ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान सतर्कता शाखा की टीम, भवन नियंत्रण टीम और स्थानीय स्टाफ मौजूद रहा।

दूसरी कार्रवाई : ऋषि गालव नगर में सरकारी भूमि मुक्त कराई

दूसरी बड़ी कार्रवाई ऋषि गालव नगर में की गई, जहाँ विवेक स्कूल के पीछे सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण खड़ा किया जा रहा था। निगम टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए निर्माण को जेसीबी मशीन से पूरी तरह गिरा दिया। टीम ने मौके पर मौजूद लोगों को चेतावनी देते हुए बताया कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का कब्जा पूरी तरह अवैध है और उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम आयुक्त डॉ गौरव सैनी ने कहा कि सरकारी भूमि पर कब्जों के खिलाफ अभियान निरंतर जारी रहेगा। जो भी व्यक्ति या संस्था बिना अनुमति निर्माण करती पाई जाएगी, उसके विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाएगी। निगम का लक्ष्य शहर को अतिक्रमण मुक्त और व्यवस्थित रखना है। निगम प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण की सूचना तुरंत निगम को दें, जिससे कार्रवाई समय पर सुनिश्चित की जा सके।

जिला कलक्टर के निर्देश पर अवैध गैस रिफलिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

-ऑपरेशन प्रवर्तन के तहत जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम की दबिश

-तीन गिरफ्तार, दो गैस एजेंसियों की भूमिका की जांच

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिला रसद कार्यालय, जयपुर प्रथम ने ऑपरेशन प्रवर्तन के तहत अवैध गैस रिफलिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। मंगलवार को जयपुर शहर के रिहायशी क्षेत्र में अवैध गैस रिफलिंग एवं वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के अनाधिकृत भण्डारण पर महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई। जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम प्रियव्रत सिंह चारण ने विशेष सतर्कता दल गठित कर सुखदेवपुरा नाटाणीवाला, 12 मील, श्रीराम की नांगल, सांगानेर में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान लगभग 740 वाणिज्यिक गैस सिलेंडर सघन आवासीय क्षेत्र में अवैध रूप से भंडारित पाए गए, जिनमें कई सिलेंडर वाहनों एवं घरातल पर खुले रूप में रखे हुए थे। परिसर से अवैध रिफलिंग में प्रयुक्त उपकरण, जैसे 02 इलेक्ट्रॉनिक कांटे, 05 गैस भट्टियाँ, 05 भगौने, गैस ट्रांसफर नलिकाएँ, रेगुलेटर, भारी मात्रा में सील एवं कैप आदि भी बरामद किए गए, जिन्हें पशु चारे के बीच छिपा रखा गया था। एक नकारा वाहन एवं बिना नामांकित पिकअप वाहन भी अवैध संचालन में प्रयुक्त पाए गए। मौके से 3 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया जिन्होंने पूछताछ में बताया कि सिलेंडर अनिका गैस एजेंसी मुहाना एवं ब्रिलियंट गैस एजेंसी बगरू से संबंधित हैं। परिसर से अवैध रसीद बुक भी जब्त की गई है। दोनों एजेंसियों की संलिप्तता की जांच हेतु दो जांच दल गठित किए गए हैं जिन्हें 48 घंटों में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। दोषियों के विरुद्ध द्रवित पेट्रोलियम गैस (रेग्युलेशन ऑफ सप्लाई एंड डिस्ट्रीब्यूशन) आदेश 2000 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत कार्रवाई की गई है। साथ ही आगे की जांच हेतु एक आरोपी का मोबाइल फोन भी जप्त किया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ऐसे अवैध रिफलिंग केंद्र शहर में गंभीर दुर्घटना की संभावना बढ़ाते हैं, इसलिए इन पर सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

मनोहरपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई:

दो इनामी आरोपी गिरफ्तार, हथियार और बाइक बरामद

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। थाना पुलिस मनोहरपुर को बड़ी सफलता मिली है। दुकान में तोड़फोड़ कर जानलेवा हमला करने और नकदी लूटने के मामले में फरार चल रहे 1000-1000 रुपये के इनामी दो आरोपियों ओमप्रकाश शर्मा उर्फ एसपी उर्फ संजू पंडित पिता: पूरणमल शर्मा, लेटकाबास, दीपक कुमार मीणा उर्फ चिंटू मीणा उर्फ सत्या पिता राजेश कुमार मीणा शेरपुरा, खोरी, थाना शाहपुरा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है ।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण राशि डोगरा डूडी ने बताया कि

11 अक्टूबर 2025 को परिवादी कृष्ण गुर्जर निवासी मामटोरी कला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि वह मनोहरपुर के आमलियों का बास स्थित अपनी परमानंद गारमेंट्स दुकान पर ग्राहकों को सामान दे रहा था। इसी दौरान सचिन गुर्जर, रजनीश गुर्जर, मनीष गुर्जर सहित 10–15 हथियारबंद लोग अचानक दुकान में घुस आए। और हमलावरों के पास नंगी तलवारें, फरसी, कुल्हाड़ी और दो बंदूकें थीं। उन्होंने दुकान का काउंटर तोड़ दिया, तोड़फोड़ मचाई और बंदूक की नोक पर गल्ले से 45,750 रुपये लूट लिए। जब व्यापारी ने रोकने की कोशिश की तो आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। ग्राहकों और आसपास के लोगों के शोर मचाने पर सभी आरोपी हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। वही पुलिस ने पहले ही 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि दो बालकों को निरूद्ध किया गया था। लेकिन दो आरोपी लंबे समय से फरार थे, जिन पर इनाम घोषित था। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) रजनीश पूनिया,वृत्ताधिकारी शाहपुरा मुकेश चौधरी के निर्देशन में तथा थानाधिकारी मनोहरपुर सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम रामकरण–हेड कांस्टेबल,रामचंद्र – कांस्टेबल,रमेश – कांस्टेबल,राकेश – कांस्टेबल (विशेष भूमिका)

टीम ने गोपनीय सूचनाओं, लगातार निगरानी और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर दोनों इनामी आरोपियों ओमप्रकाश शर्मा उर्फ एसपी उर्फ संजू पंडित पिता: पूरणमल शर्मा उम्र: 29 वर्ष निवासी: रणधीरा की ढाणी, लेटकाबास, थाना शाहपुरा (जयपुर),दीपक कुमार मीणा उर्फ चिंटू मीणा उर्फ सत्या पिता राजेश कुमार मीणा उम्र: 20 वर्ष निवासी: शेरपुरा, खोरी, थाना शाहपुरा (जयपुर) को दबोच लिया। और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल,लाठी बरामद की है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		पानी के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

कांग्रेस नेता रवि कुमार बैरवा ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के जन्मदिवस पर पुष्प गुच्छ भेंट कर दी शुभकामनाएं

हनीस खान कुतकपुर

करौली (रॉयल पत्रिका)। करौली धौलपुर लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस नेता रवि कुमार बैरवा ने अपने टीम के साथ नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के जन्म दिवस पर जय कृष्णा क्लब जी.डी. कॉलेज के सामने अलवर पहुंच कर रक्तदान शिविर में रक्तदान कर जूली को पुष्प गुच्छ तथा माला साफा भेंट करने के साथ उन्हें जन्मदिन की बधाई दी एवं उनके स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की कामना की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कांग्रेस पार्टी की रीति-नीति और ईमानदारी से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि एसआईआर पहली बार नहीं हो रही है। पहले एसआईआर होती थी, तब हमें पता नहीं चलता था। जो गलत नाम है वो कटने चाहिए। लेकिन, जो जायज ना है, वो नहीं कटने चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी गरीब, दलित, आदिवासी, बुजुर्ग किसी भी कारण से अपने अधिकार से वंचित न हो। भाजपा सरकार धर्म के नाम पर लोगों में नफरत फैलाने का कार्य कर रही है जिससे देश खोखला होता जा रहा है। भाजपा आपस में लड़वाकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेक रही है। किसानों के साथ युवाओं का कांग्रेस की ओर रुझान बढ़ गया है। इस दौरान कांग्रेस नेता रवि कुमार बैरवा, समंदर माली, डॉ. बुधराम बैरवा, सतनारायण जोशी, अभिषेक शर्मा, नांगल पहाड़ी, मुकेश सेन, थानसिंह बैरवा नारोली डांग, सुभाष बैरवा, मोहन मीणा, रामप्रसाद बैरवा, चेतन प्रजापति सहित कई कार्यकर्ताओं ने रक्तदान शिविर में भाग लेकर रक्तदान किया।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष विधायक मनोज मेघवाल का रफीक मंडेलिया ने किया अभिनंदन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर चूरू जिला कांग्रेस कमेटी नवनियुक्त अध्यक्ष पद पर मनोज मेघवाल विधायक सुजानगढ़ के बनने पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफ़ीक मंडेलिया से शिष्टाचार मुलाक़ात के दौरान चूरू विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ताओ ने स्वागत और अभिनंदन किया। इस अवसर पर रफ़ीक मंडेलिया ने कहा पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी जिलाध्यक्ष की मनोज मेघवाल को दी इसके लिए हम सभी जिले के कांग्रेस जन जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेघवाल को बधाई देते है और विश्वास दिलाते हुवे कहा चूरू जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले कांग्रेस के कार्यक्रमों में चूरू विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसजन पूरे सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। इस अवसर पर, प्रदेश कांग्रेस सचिव रियाज़त खान,शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष असलम खोखर देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धांधू, किसान नेता आदुराम न्यौल, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान, जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओबीसी नारायण बालान, सोहनलाल मेघवाल, डॉ. प्यारेलाल दानोदिया, मोहनलाल आर्य, हेमन्त सिहाग, विद्याधर मेघवाल, रामप्रताप कांटीवाल, विमल शर्मा, संजय भाटी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष एन एस यू आई संजय कांटाला, जंगशेर खान, शेर खान मलकान, अज़ीज़ खान, आबिद जाबासरिया, आरिफ़ रिसालदार नोमान सैय्यद, तारीख नागौरी, जयचंद मेघवाल, श्रवण बसेर, सूर्य प्रकाश वर्मा, इस्माइल भाटी, जाफर खान जोईया, चन्दन मेघवाल, तौफीक खान, समीउल्लाह गौरी, शाहिद चौहान, कृष्ण कुमार सूंडा आदि ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज मेघवाल का स्वागत किया।

अब 11 दिसम्बर तक भर सकेंगे एसआईआर के गणना प्रपत्र

-जागरुकता गीत पर नृत्य के माध्यम से किया मतदाताओं को जागरुक

-'मैं तो जाऊंगी पोलिंग बूथ मतदान मेरा अधिकार है'

-युवाओं ने जानी एसआईआर फॉर्म की ऑनलाइन प्रक्रिया

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में जिले की समस्त महाविद्यालय में विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस के अवसर पर युवाओं को एसआईआर की जानकारी के साथ मतदान का संकल्प कराया गया, वहीं राजकीय कन्या महाविद्यालय में स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत स्वीप सह प्रभारी अमित भार्गव ने उपस्थित जन को मतदान करने का संकल्प कराया, तथा विद्यार्थियों को मतदान का महत्व समझाते हुए बताया कि निर्वाचन आयोग के अनुसार अब एसआईआर के गणना प्रपत्र 11 दिसंबर तक भरे जा सकते हैं।

कार्यक्रम में भार्गव ने निर्वाचन पोर्टल voters.eci.gov.in द्वारा गणना फॉर्म ऑनलाइन भरने की प्रक्रिया समझाई तथा बताया कि ऑनलाइन आवेदन के लिए मतदाता के आधार एवं ईपिक में नाम एक समान हो तथा ईपिक का मोबाइल नंबर से लिंक होना आवश्यक है, साथ ही ऑफलाइन फॉर्म भरने की प्रक्रिया समझाते हुए बताया कि एसआईआर अभियान में जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित है उन सब का भौतिक सत्यापन करने के लिए बीएलओ द्वारा गणना फॉर्म प्रत्येक मतदाता से भरवाया जा रहा है,गणना फॉर्म को तीन भागों में बांटा गया है जिसमें ऊपर वाला प्रथम भाग प्रत्येक मतदाता द्वारा अपनी सामान्य जानकारी के साथ भरना है,वहीं ऐसे मतदाता जिनका नाम 2002 की वोटर लिस्ट में मौजूद है उन्हें गणना फार्म के नीचे की ओर बायां भाग भरा जाना है तथा ऐसे मतदाता जिनका नाम 2002 की वोटर लिस्ट में नहीं है उन्हें अपने परिवार के किसी सदस्य जैसे पिता-माता या दादा-दादी का 2002 की वोटर लिस्ट के अनुसार फार्म के दाएं भाग में जानकारी अंकित करना है। और अपना नवीनतम फोटो लगाना है तथा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज शामिल नहीं करना है। उन्होंने बताया कि गणना के लिए 2002 की मतदाता सूची को आधार मानकर मतदाता को इस सूची से लिंक किया जा रहा है, वर्ष 2002 की वोटर लिस्ट को निर्वाचन विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन देखा जा सकता है।

नृत्य के माध्यम से किया जागरूक

इस दौरान ईएलसी सदस्यों ने मतदाता जागरूकता गीत 'मैं तो जाऊंगी पोलिंग बूथ मतदान मेरा अधिकार है' पर समूह नृत्य के माध्यम से मतदान एवं एस आई आर के लिए जागरूक किया,कार्यक्रम में ईएलसी कोऑर्डिनेटर अजय कुमार मीणा, सह प्रभारी ईएलसी डॉ राकेश वर्मा, परमेश्वर जाट, सैयद इमरान अली, सह आचार्य अपर्णा शर्मा, मोहिनी सांगवान, भावना शर्मा, स्टाफ सदस्य तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

चौमूं में SIR के 100% लक्ष्य पर जश्न

-उपखण्ड अधिकारी दिलीप सिंह राठौड़ का डांस वीडियो वायरल

चौमूं /जयपुर (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के स्थित चौमूं उपखंड में एस एल आर (Special Intensive Revision) प्रक्रिया के 100 प्रतिशत लक्ष्य पूरा होने पर प्रशासन और BLO टीम में उत्साह का माहौल है। इसी खुशी में उपखंड अधिकारी दिलीप सिंह राठौड़ का BLO कर्मचारियों के साथ डांस करता वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जो देर शाम तक प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बना रहा। जानकारी के अनुसार, कई दिनों से क्षेत्र में चल रहे सर्वे, अपडेट और सत्यापन कार्य के बाद चौमू ने SIR के सभी मानकों पर शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल की। सफलता के बाद BLO टीम और प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यालय परिसर में छोटा सा सेलिब्रेशन रखा, जहां SDM राठौड़ भी उत्साह में झूमते नजर आए। टीम के सदस्यों का कहना है कि सर्वे कार्य के दौरान लगातार दबाव और फील्ड में दिनभर की मेहनत के बाद यह उपलब्धि उनके लिए गर्व का क्षण है। इस अवसर पर सभी BLO कर्मचारियों का सम्मान किया गया और रात्री भोज का भी आयोजन रखा गया। स्थानीय स्तर पर चौमू ब्लॉक को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'स्टार परफॉर्मर' की श्रेणी में भी सराहना मिल रही है। वायरल वीडियो के बाद पूरे उपखंड में जश्न जैसा माहौल है।

उर्दू प्रोफेसर ने किया संस्कृत पोस्ट ग्रेजुएट का सम्मान

-चेजारा समाज की संस्कृत से पोस्ट ग्रेजुएट परवीन आलम का किया अभिनंदन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मोहल्ला चेजारान चूरू में उर्दू डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव असि. प्रोफेसर डॉ. शमशाद अली की ओर से चेजारा समाज की संस्कृत से प्रथम पोस्ट ग्रेजुएट परवीन आलम के चूरू आगमन पर मोमेंटो, शॉल और पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर कमल सिंह कोठारी ने कहा कि राजकीय लोहिया महाविद्यालय के निर्माण कार्य में चेजारा समाज के झबरूद्दीन चेजारा का बहुत महत्वपूर्ण रोल रहा है। अल्पसंख्यक समाज की बेटी का 32 साल पहले संस्कृत से पोस्टग्रेजुएट करना बहुत बड़ी है और अहम बात है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्रधान व प्रखर वक्ता रणजीत सातडा ने कहा कि शिक्षा से ही परिवार, समाज और देश का नाम रोशन होता है। डॉ. शमशाद अली ने कहा कि पिछडे समाजों के आगे आने से ही देश की तरक़्क़ी को रफ्तार मिलेगी। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि जाने माने एंकर व प्रिंसिपल मुकुल भाटी और संस्कृत के स्कॉलर व प्रिंसिपल अमर सिंह कस्वाँ भी मंचाशीन थे। विदित हो कि परवीन के दादा झबरुद्दीन की देख रेख मे ही कॉलेज का निर्माण कार्य संपन्न हुआ था। परवीन के पति डॉ. आलम अली सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिशनर वकील और पुत्र परवेज़ आलम ने लंदन से एम बी ए की डिग्री हासिल कर समाज का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर लाल मोहम्मद चेजारा, क़ासम अली चेजारा, महेंद्र चौबे, डॉ. अरिफ खान, डॉ. अहसान अली, डॉ. साजिद चौहान, डॉ. क़ादिर हुसैन, उस्मान चेजारा, एडवोकेट सद्दाम हुसैन, तैयूब अली चेजारा, गुलाम नबी चेजारा, उसमान अंसारी, शकील दुर्रानी, लियाकत चेजारा, याकूब चेजारा, यूसुफ चेजारा, मोहम्मद इस्लाम चेजारा, इब्राहीम चेजारा, कबीर चेजारा, साहिल चेजारा, फैसल चेजारा, तनवीर चेजारा, असद चेजारा, आसिफ चेजारा, ओसामा चेजारा, मोहम्मद इस्लाम चेजारा इत्यादि मौजूद रहे।

जयपुर टीम ने उर्वरक फर्मों का किया औचक निरीक्षण, कई अनियमितताएँ उजागर

बारां (रॉयल पत्रिका)। संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) धनराज मीणा कृषि आयुक्तालय, पंत कृषि भवन जयपुर से आए कृषि अधिकारी महेश कुमार मीणा (पौ.सं.) एवं नागेश यादव की द्वि-सदस्यीय टीम ने जिले में उर्वरक विक्रेता फर्मों का औचक व सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने बारां शहर में मैसर्स गायत्री फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स, तिवारी फर्टिलाइजर्स, बोहत में मोहिनी एग्रो एंड केमिकल्स, ग्राम विकास सहकारी समिति बोहत, मांगरोल कस्बे में अंसारी कृषि विहार, मुस्कान खाद बीज भंडार, दिया कृषि सेवा केन्द्र तथा बमोरीकलां स्थित बालाजी कृषि सेवा केन्द्र के रिकॉर्ड की विस्तृत जाँच की। टीम द्वारा पॉस मशीन में दर्ज स्टॉक, स्टॉक रजिस्टर और गोदाम में उपलब्ध वास्तविक स्टॉक का आपस में मिलान किया गया, जिसमें अधिकांश फर्मों में अनियमितताएँ पाई गईं। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि सभी फर्मों द्वारा हाल ही में आपुर्तित IPL कम्पनी का यूरिया किसानों को 5 बैग प्रति कृषक के हिसाब से वितरित किया जा रहा था। एक माह की उर्वरक आपूर्ति एवं बिक्री से संबंधित रिकॉर्ड की जाँच में गड़बड़ी मिलने पर चार उर्वरक विक्रेता फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिवस में जवाब माँगा गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने की स्थिति में संबंधित फर्मों के उर्वरक अनुज्ञापत्र का निलंबन अथवा निरस्तीकरण किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान सभी फर्मों पर मूल्य सूची बोर्ड, स्टॉक बोर्ड तथा पीओपी सिफारिश अनुसार संतुलित उर्वरक उपयोग बोर्ड प्रदर्शित पाए गए। टीम ने उर्वरक परिगमन आदेश के अनुपालन हेतु पूर्व में स्थापित बालून्दा–लाल कोठी सीमा चेक पोस्ट का भी निरीक्षण किया।

पेयजल किल्लत को लेकर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, ग्रामीणों ने किया विरोध-प्रदर्शन

-खाली मटके लेकर ग्रामीण बैठे सड़क पर

-पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण नहीं होती सप्लाई

-सड़क का निर्माण चलने के कारण टूट जाती हैं पाइपलाइन

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। खेजरोली में पेयजल संकट को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। गुस्साए ग्रामीणों ने विरोध - प्रदर्शन किया और पानी की मांग को लेकर दर्जनों ग्रामीण खाली मटके लेकर खेजरोली–चौमूं मार्ग पर बैठ गए। ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगाकर प्रशासन के खिलाफ नाराज़गी जताई।स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क निर्माण कार्य के चलते बार-बार मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो रही है, जिससे कई दिनों से पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप है। महिलाओं ने बताया कि पानी नहीं मिलने से घरों में पीने तक का पानी उपलब्ध नहीं है, जिससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है। सूचना मिलते ही गोविंदगढ़ पुलिस व स्थानीय पुलिस चौकी के अधिकारी धर्मपाल यादव मैं जाप्ता सहित मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से बातचीत कर जाम खुलवाने के लिए समझाइश की। पुलिस ने आश्वासन दिया कि संबंधित विभाग से समन्वय कर पाइपलाइन मरम्मत का कार्य जल्द शुरू करवाया जाएगा।

महिला थाना अधिकारी आशा रानी का छात्रसंघ महासचिव साजिद हुसैन के नेतृत्व में भव्य स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका) । शहर के महिला थाने में पदस्थापित हुई महिला थाना अधिकारी आशा रानी द्वारा पदभार ग्रहण करने पर छात्रसंघ महासचिव साजिश हुसैन के नेतृत्व में भव्य स्वागत एवं सत्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। अधिकारी के आगमन पर पूरी टीम ने उत्साहपूर्वक फूलों की वर्षा कर स्वागत किया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी संभालने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। कार्यक्रम के दौरान छात्रसंघ महासचिव साजिद हुसैन ने कहा कि "महिला सुरक्षा, न्याय व्यवस्था और जनसुनवाई को लेकर हम सभी को नई थाना अधिकारी से बड़ी उम्मीदें हैं। एक अनुभवी और सख़्त, लेकिन संवेदनशील अधिकारी के पदभार संभालने से निश्चित रूप से क्षेत्र की कानून व्यवस्था और भी मजबूत होगी।" उन्होंने यह भी कहा कि आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और सुरक्षित वातावरण के लिए प्रशासन व समाज को मिलकर कार्य करना होगा। अधिकारी आशा रानी ने भी अपने संबोधन में कहा कि वे क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा, सामाजिक अपराधों पर नियंत्रण और न्याय उपलब्ध कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगी। उन्होंने सभी से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि पुलिस-जन सहयोग से ही एक सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है। स्वागत समारोह में छात्रसंघ टीम के सभी सदस्य मौजूद रहे। सभी ने मिलकर अधिकारी का फूलमालाएं पहनाकर, पुष्पवर्षा कर स्वागत किया किया।

सार्वजनिक संस्था धर्मादा में सोनोग्राफी सुविधा सुबह 10 से सायं 5 बजे तक रहेगी

-डॉ. कनुप्रिया अग्रवाल सोमवार से शनिवार तक देंगी अपनी सेवाएं

बारां (रॉयल पत्रिका) । पीडित मानवता की सेवार्थ संचालित सार्वजनिक धर्मादा संस्था में डायग्नेस्टिक एवं इमेजिंग सेंटर में सुबह 10 से सायं 5 बजे तक सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध रहेगी। अध्यक्ष प्रमोद बंसल ने बताया कि इस हेतु डॉ. कनुप्रिया अग्रवाल को नियुक्त किया गया है, जो अपनी नियमित सेवाएं सोमवार से शनिवार को देगी। सोनोग्राफी की दर बाजार दर से बहुत कम रखी गई है। संरक्षक व लेब कन्वीनर निशांत सेठी ने बताया कि हम निरंतर इस प्रयास में लगे हैं, जिससे की बारां में मेडिकल सुविधाएं उचित कीमत पर व उच्चतम क्वालिटी की हो। इसी लिए हमारे द्वारा मेडिकल स्टोर खोला गया, जहां उचित कीमतों पर सभी प्रकार की दवाइयां उपलब्ध है। साथ ही एमडी फिजिशियन डॉ. देवेंद्र मीणा, ईएनटी डा. ब्रिजेश गोयल व बच्चों के डॉक्टर मणी गोयल अपनी सेवाएं जांच केंद्र पर दे रही है। मंत्री दिनेश नागर ने बताया कि जांच केंद्र उच्चतम क्वालिटी के साथ अपनी सेवाएं बारां शहर में दे रही है तथा निरंतर अपनी सुविधाओं में विस्तार कर रही है।

मोरपाल सुमन ने सीसवाली क्षेत्र के विभिन्न गांवों में दिया धन्यवाद

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता मांगरोल उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे प्रधान मोरपाल सुमन क्षेत्र में रामाश्यामी करके जनता के बीच में पहुंचकर भाजपा के पक्ष में मतदान करने पर धन्यवाद देकर आभार व्यक्त कर रहे हैं मंगलवार को सीसवाली मंडल के चैनपुरा, शाहपुरा, पाकलखेड़ा,नवलपुरा, रायथल, माण्डपुर, घोड़ीगाँव, पाटोंदा, उदपुरिया, पीपल्दा, सोनवा, पापडली, गोदावरी आदि गाँवो मे पहुंचकर धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया। भाजपा जिला प्रवक्ता सचिन सनाढ्य व सह प्रवक्ता योगेश राजोरा ने बताया की सुमन का गाँवो मे जोरदार स्वागत व अभिनंदन हो रहा है वही वो आमजन की समस्याओं को सुनकर समाधान कर रहे हैं आभार यात्रा के दौरान भाजपा नेता राजेंद्र नागर शाहपुरा, चन्द्र शेखर बोहरा, सीसवाली मंडल अध्यक्ष पुष्पदयाल मीणा, सरपंच मैना बाई, पूर्व सरपंच घनश्याम मीणा, कौशल शर्मा जुगराज मीणा, महावीर मीणा,खेमराज मीणा सहित कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं समर्थक मौजूद रहे।

पप्पू जाटव राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी एससी विभाग के प्रदेश सचिव नियुक्त

हनीस खान कुतकपुर

करौली (रॉयल पत्रिका)। एआईसीसी राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और जननायक राहुल गांधी और एससी विभाग राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम के नेतृत्व में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की कार्यकारिणी घोषित की गई। जिसमे पप्पू जाटव महू को एससी विभाग का प्रदेश सचिव नियुक्त किया है।

इस मौके पर पप्पू जाटव ने बताया कि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं सुखवीर सिंह रंधावा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, एससी विभाग प्रदेशाध्यक्ष ममता भूपेश, राष्ट्रीय कोर्डिनेटर धर्मेन्द्र कुमार जाटव, विधायक अनीता जाटव, सहित प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा लोकतंत्र, संविधान की लड़ाई में सक्रिय भूमिका का निर्वहन कर जनसेवा के नव आयाम स्थापित करने के लिए हमेशा समर्पित रहूंगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय कोर्डिनेटर धर्मेन्द्र कुमार जाटव, विधायक अनीता जाटव, नवनियुक्त जिलाध्यक्ष प्रभाव चौधरी, जिला प्रमुख प्रतिनिधि रक्षी लाल बैरवा, जिला परिषद सदस्य भूपेन्द्र सिंह सोलंकी, एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रत्यक्ष व सोशल मीडिया के माध्यम से शुभकामनाएं दी।

भाजपा नेता सीताराम अग्रवाल का जन्मदिवस, समर्थकों का उमड़ा सैलाब

-साफा पहनाकर किया स्वागत, केक काटकर मनाया जश्न

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। भाजपा नेता एवं पूर्व रीको डायरेक्टर सीताराम जी अग्रवाल का 67वां जन्मदिवस लेकर हरमाड़ा और विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही उनके निवास पर कार्यकर्ताओं व समर्थकों का ताँता लगा रहा। लोगों ने पारंपरिक राजस्थानी साफा पहनाकर अग्रवाल का स्वागत किया और दीर्घायु की कामना की। जन्मदिन के अवसर पर अग्रवाल ने केक काटकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। समर्थकों ने जयकारों के साथ उन्हें बधाइयां दीं और क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर उनके योगदान की सराहना की। पूरे दिन वातावरण उत्सवी बना रहा। सेना गोल्ड मेडलिस्ट एवं पूर्व सैनिक आनंद सिंह हनुमानपुरा (आमेर) भी अग्रवाल के निवास पहुंचे और उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी। आनंद सिंह फौजी ने कहा कि "सीताराम जी ने हमेशा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान दिया है। उनके नेतृत्व में क्षेत्र में सेवा और सौहार्द का माहौल मजबूत हुआ है।" उन्होंने यह भी कहा कि "अग्रवाल जैसे जनसेवक का जन्मदिन मनाना हमारे लिए गर्व की बात है।" विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में जन्मदिन को लेकर दिनभर बधाइयों की बरसात होती रही। कई युवा संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी अग्रवाल से मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं। समर्थकों में जिस तरह का जोश दिखाई दिया, उसने कार्यक्रम को खास बना दिया।

लायंस क्लब और दिव्य क्लब चूरू द्वारा 80 ज़रूरतमंदों को रजाई वितरण

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर लायंस क्लब चूरू और दिव्य क्लब चूरू के संयुक्त तत्वावधान में दादू भवन, में एक विशाल रजाई वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पुनीत कार्य में MJF लायन चंद्रशेखर अग्रवाल के सौजन्य से 80 ज़रूरतमंद व्यक्तियों को कड़ाके की सर्दी से बचाव के लिए रजाईयां वितरित की गईं। क्लब प्रवक्ता सुनील रंजन टकणेत ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ थे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में विधायक हरलाल सहारण और भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा शामिल हुए। क्लब अध्यक्ष राजीव शर्मा, दानदाता चंद्रशेखर अग्रवाल, स्नेहलता अग्रवाल, विक्रमसिंह कोटवाद और वासुदेव चावला मंचासीन रहे।कार्यक्रम का आगाज़ क्लब अध्यक्ष राजीव शर्मा के स्वागत भाषण से हुआ और कार्यक्रम का सफल संचालन ज़ोन चेयरमैन चंद्रप्रकाश खत्री ने किया।

क्लब अध्यक्ष राजीव शर्मा ने अपने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने कहा, "लायंस और दिव्य क्लब हमेशा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। सर्दी के इस मौसम में, हमारा प्रयास है कि कोई भी ज़रूरतमंद व्यक्ति ठंड से परेशान न हो। यह रजाई वितरण कार्यक्रम हमारे सेवा कार्यों की एक छोटी सी कड़ी है, और हम दानदाता चंद्रशेखर अग्रवाल के सहयोग के लिए हृदय से आभारी हैं। हमारा लक्ष्य है कि हम मिलकर चूरू को एक बेहतर और अधिक संवेदनशील शहर बनाएँ।" मुख्य अतिथि राजेन्द्र राठौड़ ने लायंस क्लब और दिव्य क्लब के इस मानवीय प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा, "सेवा भाव ही मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है। कड़ाके की ठंड में ज़रूरतमंदों को रजाई उपलब्ध कराना एक अत्यंत प्रशंसनीय और समयोचित कार्य है। समाज में ऐसे संगठनों की उपस्थिति आवश्यक है जो निस्वार्थ भाव से सेवा करते हैं। मैं दानदाता चंद्रशेखर अग्रवाल और दोनों क्लबों के समस्त सदस्यों को इस नेक पहल के लिए बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि भविष्य में भी वे इसी समर्पण के साथ सेवा करते रहेंगे।"विधायक हरलाल सहारण ने अपने उद्बोधन में कहा, "समाज के वंचित वर्ग की सहायता करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे सेवा कार्य अन्य संगठनों को भी प्रेरणा देते हैं।"भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा, "लायंस क्लब और दिव्य क्लब चूरू समय-समय पर विभिन्न सामाजिक कार्यों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। यह रजाई वितरण कार्यक्रम दर्शाता है कि सेवा ही संगठन का मूल मंत्र है।" इस अवसर पर सचिव संजीव वर्मा, कोषाध्यक्ष आकाश सोनी, प्रांतीय कैबिनेट सेक्रेटरी बालकिशन राजगढ़िया, शैलेन्द्र माथुर, रूपम माथुर, रामचंद्र राजोतिया, निर्मला मंडावेवाला, आबिद खान ए के, ताराचंद प्रजापत, मुकुल सिगतिया, महेन्द्र राजगढ़िया, महेंद्र धानुका, चंदा धानुका, दीनदयाल सैनी, शंकरलाल सैनी, संजय मित्तल, राजीव चाहर, अशोक जांगिड़, संध्या जैन, मुन्नीदेवी डागा, विजय इसरानी सहित चूरू के गणमान्य नागरिक सीताराम लुगरिया, चंद्राराम गुरि, पदमसिंह, भास्कर शर्मा, सुरेश सारस्वत, रवि दाधीच, नीरज जांगिड़, श्रीराम पीपलवा, अजय तंवर आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन में क्लब सचिव द्वारा सभी अतिथियों और दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

100 फ़ीसदी कार्य करने पर झुंझुनू विधानसभा क्षेत्र की टीम सम्मानित

-जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अरुण गर्ग ने की सराहना

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। डॉ० अरूण गर्ग, जिला निर्वाचन अधिकारी, झुन्झुनू ने अवगत कराया कि जिले की झुन्झुनू विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के समस्त बूथ लेवल अधिकारियों/बीएलओ सुपरवाईजर्स द्वारा शत प्रतिशत परिगणना प्रपत्रों (ई.एफ.) का डिजिटाईजेशन सफलतापूर्वक दिनांक 30 नवंबर 2025 को रात्रि 8 बजे पूर्ण किया जा चुका है एवं रात्रि 8 बजे तक राजस्थान में कुल 11 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों द्वारा ही परिगणना प्रपत्र डिजिटाईजेशन का कार्य पूर्ण हुआ है। झुन्झुनू विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में कुल मतदाता 2,78,875 है, जिनको बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर परिगणना प्रपत्र वितरित किये गये थे। बीएलओ द्वारा बीएलओ एप के माध्यम से कुल 2,57,604 मतदाताओं के परिगणना प्रपत्र अपलोड किये गये तथा 21,286 मतदाताओं को ए.एस.डी. (अनुपस्थित, मृत, दोहरी प्रविष्टि, स्थानान्तरित एवं अन्य) चिन्हित किये गये , जिनको भी बीएलओ द्वारा बीएलओ एप पर अपलोडिंग का कार्य सफलतापूर्वक किया गया। झुन्झुनू विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में कुल 249 बीएलओ ने निष्ठापूर्वक यह कार्य सम्पादित किया, जिसके लिए सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उनके निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं एसडीएम कौशल्या बिश्नोई एवं उनकी टीम महेन्द्र सिंह मूण्ड, तहसीलदार झुन्झुनू, अभिषेक मीणा, नायब तहसीलदार झुन्झुनू, सीताराम, विकास अधिकारी, महेन्द्र जाखड़, सी.बी.ई.ओ., विजय सिंह जाखड़, सहायक प्रोग्रामर, राजवीर बीसीआई, अजय बीसीआई, मनमोहर बीसीआई, अनिल पूनियां अध्यापक, अविनाश जानू व०स०, मुकेश खेदड़ अध्यापक, विनोद सैनी प्रोग्रामर का माल्यार्पण एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। जिले की सातों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में आज शाम 4 बजे तक हुए कार्य का विवरण निम्नानुसार हैं- 25-पिलानी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 99.69 प्रतिशत, 29-नवलगढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 99.35 प्रतिशत, 28-मण्डावा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 98.73 प्रतिशत, 30-उदयपुरवाटी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 98.22 प्रतिशत, 31-खेतडी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 97.36 प्रतिशत एवं 26 सूरजगढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 97.11 प्रतिशत परिगणना प्रपत्रों को डिजिटाईजेशन का कार्य हुआ है। सम्मान समारोह के दौरान अजय कुमार आर्य, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, महेन्द्र सिंह मूण्ड, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अभिषेक मीणा, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

गीतांजली डेंटल ने अनूठी मानव श्रृंखला से दिए एड्स जागरूकता के संदेश

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली डेंटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग, उदयपुर द्वारा 1 दिसंबर 2025 को विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता से भरपूर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा रेड रिबन बाँधने से हुई, जो एड्स के प्रति जागरूकता और एचआईवी संक्रमित लोगों के साथ एकजुटता का प्रतीक है। दिनभर डेंटल ओपीडी में आने वाले मरीज़ों को एड्स की रोकथाम, बचाव तथा समय पर जाँच की महत्ता के बारे में विस्तारपूर्वक शिक्षित किया गया। जन–जागरूकता को व्यापक स्तर तक पहुँचाने हेतु संस्थान द्वारा सुखाड़िया सर्किल पर एक जागरूकता रैली आयोजित की गई, जहाँ विद्यार्थियों और शिक्षकों ने एचआईवी/एड्स संबंधी संदेशों वाले शिक्षाप्रद पोस्टर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सुखाड़िया सर्किल पर विद्यार्थियों और फैकल्टी द्वारा बनाई गई मानव श्रृंखला रही, जिसने समाज को जागरूकता, संवेदनशीलता और एकता का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम की संपूर्ण गतिविधियों को संस्थान के प्रिंसिपल डॉ. बालाजी मनोहर के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सुचारू रूप से संचालित किया गया। गीतांजली डेंटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट लगातार ऐसे प्रयासों के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. मृदुला टाक, डॉ. सौरभ सिंह, डॉ. श्रुति शर्मा, डॉ. तरुण माली, नितिन गोस्वामी तथा अन्य फैकल्टी सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

लॉन टेनिस में पाली की आराधना गौड़ का राष्टीय कैम्प में चयन

पाली (रॉयल पत्रिका)। 69वी. राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में पाली की आराधना गौड़ का राष्ट्रीय स्तर पर खेलने हेतु चयन हुआ है। आराधना गौड़ के कॉच सुरेन्द्र पारख ने बताया कि राष्ट्रीय लॉन टेनिस प्रतियोगिता आयोजन दिनांकः 02 दिसम्बर 2025 से 06 दिसम्बर 2025 तक मैयों कॉलेज, अजमेर में होगा। आराधना गौड़ का राजस्थान टीम में शामिल होने से पहले दिनांकः 24 नवंबर 2025 से 25.11.2025 तक दो दिवसीय चयन प्रशिक्षण हुआ। पाली की आराधना गौड़ के इस उत्कर्ष प्रदर्शन एवं राजस्थान टीम में शामिल होने पर जिला मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राहुल राजपुरोहित, उप शिक्षा अधिकारी(खेल) बलवीरसिंह, विद्यालय प्रधान धनेश गोतम एंव विकास दुबे, पाली जिला टेनिस संघ के अध्यक्ष गौतम भंसाली, डिस्ट्रिक कल्ब सचिव पुनीथ मुथा, पाली के वरिष्ठ लॉन टेनिस खिलाडी विरेन्द्रसिंह बारहठ, मनोज लढढा, वैभव संचेती, प्रवीण मुथा, विनोद चौहान, चन्द्रवीरसिंह, तरूण आड़वाणी, सुनील वढेरा, अनिल मेहता, अमन पोरवाल, हिमांग मेहता, गीतांक मेहता, डॉ. महिपालसिंह, डॉ. आनन्दसिंह, जिनेन्द्र जैन, राजेन्द्र कवाड़, प्रकाश महादेव, शेरसिंह, सदाकिन, नीतिन चौपड़ा, सुनिल हुरकट, अरविन्द डोसी, नथुसिंह परिहार, साथी खिलाड़ी एवं बड़ी बहन अभिलाषा गौड़, ईशवन्दनासिंह, साल्वी मारवाड़ी एवं कल्ब के अन्य खिलाड़ियों ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत जिले में आयोजित हो रहे शिविर

-पशुपालकों को मिलेगा मुफ्त बीमा, 1235 पशुपालकों ने करवाया पंजीयन

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा पशुपालकों को पशुधन हानि से आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना 2025-26 संचालित की जा रही है। योजना के तहत जनाधार कार्डधारक, गोपाल क्रेडिट कार्डधारक पशुपालक तथा लखपति दीदी समूह से जुड़ी पशुपालक महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया जाएगा। मोबाइल ऐप मंगला पशु बीमा योजना 2025-26 और वेब पोर्टल www.mmp-by2526.rajasthan.gov.in पर 21 नवम्बर, 2025 से आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं, जो पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर स्वीकृत होंगे। योजना में बीमा हेतु पशुओं की टैगिंग अनिवार्य रखी गई है। चयनित पशुपालकों के अधिकतम 2 दुधारू पशु (गाय/भैंस) या 10 बकरी, 10 भेड़ अथवा 10 ऊँटवंशीय पशुओं का निःशुल्क बीमा किया जा रहा है। योजना का क्रियान्वयन ट्रस्ट मोड पर राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग द्वारा किया जा रहा है, जबकि नोडल विभाग पशुपालन विभाग है। जिले में पहले दिन आयोजित शिविरों के माध्यम से 1235 पशुपालकों का जनाधार पंजीकरण किया जा चुका है और 54 बीमा पॉलिसी जारी हो चुकी हैं। विभाग का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक पशुपालक योजना का लाभ लेकर अपने पशुधन को सुरक्षा कवच प्रदान करें। योजना को प्रभावी बनाने के लिए जिले में नए शिविर निर्धारित किए गए हैं। 3 दिसम्बर, 2025 को पंचायत समिति भादरा के अलायला, भांगवा, गांधीबड़ी, भरवाना, बिरान, बोझला तथा नोहर क्षेत्र के अरड़की, बड़बिराना, भंगूली, दीपलाना में शिविर आयोजित होंगे। इसके अलावा हनुमानगढ़ क्षेत्र के जोड़कियां, टिब्बी के 2 के.एस.पी., 4 के.एस.पी., बशीर तथा संगरिया के हरीपुरा और किशनपुरा उतराधा में भी शिविर लगाए जाएंगे। पशुपालन विभाग ने सभी पात्र पशुपालकों से अपील की है कि वे नजदीकी शिविर में पहुंचकर आवेदन करवाए और अपने पशुधन का निःशुल्क बीमा कराकर आर्थिक जोखिमों से स्वयं को सुरक्षित करें।

विटामिन-ए अभियान शुरू: 29 दिसम्बर तक जिले में चलाया जा रहा विशेष कार्यक्रम

-आंगनबाड़ी कार्यकताएं, आशा सहयोगिनियां और स्वास्थ्य विभाग के कार्मिकों की टीम घर-घर जाकर दे रही विटामिन-ए की खुराक

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिले के बच्चों में विटामिन-ए की कमी से होने वाले दुष्प्रभावों को रोकने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग संयुक्त रूप से एक माह का विशेष अभियान चला रहे हैं। यह विटामिन-ए अनुपूरण कार्यक्रम (विटामिन ए सप्लीमेंटेशन प्रोग्राम) 29 नवम्बर, 2025 से 29 दिसम्बर, 2025 तक जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आयोजित किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग उपनिदेशक श्रीमती सुनीता शर्मा ने बताया कि अभियान के तहत जिले के सभी 1273 आंगनबाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत 1 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाई जा रही है। वहीं, 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को भी इस कार्यक्रम में शामिल किया गया है। विभाग के अनुसार जिले में कुल 1,64,090 बच्चों को विटामिन-ए खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सुनीता शर्मा ने बताया कि विटामिन-ए की कमी बच्चों में रतौंधी, प्रतिरोधक क्षमता में कमी, बार-बार संक्रमण और आंखों की गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है। ऐसे में साल में दो बार विटामिन-ए की नियमित खुराक बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा यह व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनियों और स्वास्थ्य विभाग के कार्मिकों की टीम घर-घर जाकर अभिभावकों को विटामिन-ए के महत्व के बारे में जागरूक कर रही है। साथ ही सभी पात्र बच्चों को उनके नजदीकी आंगनबाड़ी केन्द्र पर सुरक्षित एवं निर्धारित मात्रा में खुराक उपलब्ध करवाई जा रही है। विटामिन-ए कार्यक्रम का यह 49वां चरण सफल संचालन की दिशा में जिलेभर में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को निर्धारित अवधि में नजदीकी आंगनबाड़ी केन्द्र पर अवश्य लेकर आएं, ताकि हर बच्चा इस महत्वपूर्ण पोषण कार्यक्रम का लाभ प्राप्त कर सके।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन, कलेक्टर ने विभागों को दिए आवश्यक निर्देश

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी रणकपुर-जवाई महोत्सव तथा राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित होने वाली जिला स्तरीय प्रदर्शनी की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला कलेक्टर मंत्री ने बताया कि सरकार की उपलब्धियों पर आधारित जिला स्तरीय प्रदर्शनी बांगड़ कॉलेज परिसर में आयोजित की जाएगी। साथ ही जिला दर्शन विकास पुस्तक के प्रकाशन के लिए सभी विभागों को अपने-अपने कार्यों एवं उपलब्धियों से संबंधित छायाचित्र व विवरण जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय को शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न विभागों के बकाया प्रकरणों, भूमि आवंटन, डीएफटी, एसडीआरएफ कार्यों, एवं पीडब्ल्यूडी की प्रगतिरत योजनाओं की समीक्षा करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने पीडब्ल्यूडी को इस माह के अंत तक सभी प्रगतिरत कार्य गुणवत्ता सहित पूर्ण करने को कहा। उन्होंने कृषि विभाग से यूरिया उपलब्धता व वितरण की अद्यतन स्थिति प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा धन-धान्य से भरपूर राजस्थान के संकल्प को साकार करने हेतु विभाग गंभीरता से कार्य करें। एनएफएसए सूची में पात्र व्यक्तियों को शीघ्र जोड़ने के निर्देश देते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि गरीब को उसका अधिकार समय पर मिलना चाहिए। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डेयरी विभाग को बूथ आवंटन, उत्पादों की गुणवत्ता, तथा पशुपालन विभाग को पशु बीमा व टीकाकरण कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने उपलब्ध वैक्सीन व दवाओं की स्थिति भी जानी। उन्होंने बैंक अधिकारियों को खाता धारकों को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा के लिए जागरूक करने के निर्देश प्रदान किए। बैठक के अंत में जिला कलेक्टर ने सभी विभागों को पुनः निर्देशित किया कि रणकपुर-जवाई महोत्सव एवं जिला स्तरीय प्रदर्शनी के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करें। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (सीलिंग) ओम प्रभा, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेन्द्र मेहता, उपखंड अधिकारी विमलेंद्र राणावत, जिला रसद अधिकारी मनजीत सिंह, जिला परिवहन अधिकारी गणपत लाल, पीडब्ल्यूडी एसई दिलीप परिहार, जिला रोजगार अधिकारी मनीष थोरी समेत सभी जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शहीद कभी नहीं मरते — जस्टिस कोठारी

पाली/ जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत-पाक युद्ध 1971 में असाधारण शौर्य, अदम्य वीरता और कर्तव्यपरायणता का परिचय देते हुए राष्ट्र रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले 5/5 गोरखा रेजीमेंट के शहीद सैकंड लैफ्टिनेंट देवपाल सिंह देवल वीर चक्र के शहादत दिवस पर आज जोधपुर में मार्ग लोकार्पण एवं श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। सन् 1971 के युद्ध में 23 वर्ष की अल्पायु में शहीद हुए देवपाल सिंह देवल ने बी कंपनी में पदस्थ होते हुए भी पूर्वी मोर्चे पर ए कंपनी को बचाने हेतु 28 नवंबर 1971 को अत्यंत साहस के साथ पाकिस्तानी सेना पर धावा बोला। भीषण संघर्ष में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने मोर्चा छोड़ने से इंकार करते हुए हैंड ग्रेनेड से पाकिस्तान की भारी मशीनगनों को नष्ट कर दिया। राष्ट्र के प्रति उनके अमूल्य बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत वीर चक्र से सम्मानित किया गया। जिला प्रशासन द्वारा सन् 1972 में सरदारपुरा डी रोड का नामकरण उनके सम्मान में "देवपाल सिंह देवल मार्ग" किया गया था। आज उनके शहादत दिवस पर मार्ग के संपूर्ण हिस्से में प्रस्तर नामपट्टिकाओं का नवीन रूप में स्थापना कार्य पूर्ण किया गया तथा मार्ग का लोकार्पण सीमा सुरक्षा बल के इंस्पेक्टर जनरल एम.एल. गर्ग द्वारा किया गया। समारोह का शुभारंभ विशेष अतिथि मेजर जनरल एम. छिब्बर, SM, VSM द्वारा शहीद की तस्वीर पर सैन्य सम्मान सहित पुष्पचक्र अर्पण से हुआ, जिसके पश्चात् मुख्य अतिथि आईजी बीएसएफ एम.एल. गर्ग ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में किड्जी स्कूल के नन्हे बालक-बालिकाओं ने अपनी शिक्षिकाओं के साथ उपस्थित होकर देश की सैन्य परंपरा और बलिदान का संदेश ग्रहण किया। इंस्पेक्टर जनरल एम.एल. गर्ग ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रत्येक भारतीय को सैनिकों के शहादत कार्यक्रमों में सहभागिता कर राष्ट्रधर्म का निर्वहन करना चाहिए। इस अवसर पर ऑल इंडिया वेटरन आर्मी ऑफिसर एसोसिएशन, 5/5 गोरखा रेजीमेंट, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं बड़ी संख्या में उपस्थित राष्ट्रभक्तों और सैन्य अधिकारियों ने शहीद को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। देशभक्ति के जोश से ओतप्रोत नारों ने पूरा वातावरण गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम संयोजक कपिल देवल ने बताया कि समारोह में लेफ्टिनेंट जनरल ए. छिब्बर, बीएसएफ के आईजी एम.एल. गर्ग, राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश डॉ. जस्टिस विनीत कोठारी, मेजर जनरल नरपत सिंह राजपुरोहित (से.नि.), अखिल भारतीय चारण गढ़वी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी.डी. देवल, महिपाल सिंह उज्ज्वल, शहीद के अनुज कमलसिंह देवल, विंग कमांडर ओम आढ (से. नि.), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भोपालसिंह लखावत, मेवाड़ राजघराने से जान्हवी कुमारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओम उज्जल (से. नि.), पुलिस अधीक्षक मोहनसिंह रतनू (से.नि.), पार्षद प्रदीप बेनिवाल सहित सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नारायण सिंह तोलेसर द्वारा किया गया। समारोह के अंत में 5/5 गोरखा रेजीमेंट के अधिकारियों द्वारा शहीद देवल के अनुज कमलसिंह को रेजीमेंट का स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

जिला कलक्टर ने सड़क सुरक्षा, आवारा श्वानों एवं अतिक्रमण पर की समीक्षा प्रभावी कार्यवाही के दिए निर्देश

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिला कलक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा, अतिक्रमण तथा आवारा श्वानों से जुड़े मुद्दों की व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के निर्देशानुसार सभी विभागों को सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मृत्यु को रोकने के लिए समन्वय कर प्रभावी रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी दुर्घटना की स्थिति में संबंधित समितियों और विभागों को प्रतिक्रिया समय कम से कम करने का प्रयास करना चाहिए। इससे समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कर दुर्घटनाओं से होने वाली जनहानि को रोका जा सकेगा। साथ ही आई रेड एप पर दर्ज दुर्घटना स्थलों पर पुनरावृत्ति रोकने के लिए बहुआयामी सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता बताई। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में होने वाली प्रत्येक प्राणघातक दुर्घटना के कारणों का विस्तृत विश्लेषण किया जाए। सड़क इंजीनियरिंग से जुड़े कारण सामने आने पर संबंधित एजेंसियां तुरंत आवश्यक मरम्मत एवं सुधार कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने मुख्य सचिव के निर्देशानुसार सड़क खामियों के चिन्हीकरण, दुर्घटना कारणों के विश्लेषण, मृत्यु दर कम करने के लिए कार्य-योजना तैयार कर और आई-रेड एप पर दर्ज दुर्घटना स्थलों पर दोबारा दुर्घटना रोकने के लिए बहुआयामी उपायों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों को इसे प्राथमिकता का विषय मानकर कार्यवाही करनी चाहिए। प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिए गए कि वे नियमों की पालना में की गई कार्यवाहियों की विस्तृत रिपोर्ट समयबद्ध रूप से प्रस्तुत करें। जिला कलक्टर ने अतिक्रमण नियंत्रण के लिए अजमेर शहर के प्रमुख मार्गों, फुटपाथों, नो-वेंडिंग जोन तथा संवेदनशील क्षेत्रों में स्थायी और अस्थायी अतिक्रमणों को चिह्नित कर संयुक्त कार्रवाई लगातार करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया के लिए टाइमलाइन बनाकर कार्य किया जाए। साथ ही राजमार्गों पर अवैध अतिक्रमण, अवैध मदिरा दुकानों पर कार्रवाई और नई नीति के अनुसार राजमार्गों से 500 मीटर की दूरी पर मदिरा दुकानों के स्थानांतरण की प्रक्रिया प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश भी प्रदान किए। जिला कलक्टर ने आवारा श्वानों के संदर्भ में उच्चतम न्यायालय के निर्देशों की पालना सुनिश्चित करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों, विद्यालयों, अस्पतालों और सरकारी परिसरों में सुरक्षा उपायों को मजबूत किया जाए। उन्होंने एबीसी एनिमल बर्थ कंट्रोल कार्यक्रम को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने, टीकाकरण और पकड़ने की नियमित कार्रवाई तथा शेल्टर होम्स में सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुस्कुराहटें जीने की ताकत देती हैं

अमिताभ बच्चन

जलसा के बाहर फैंस का देख भावुक हुए

अमिताभ बच्चन ने रविवार शाम मुंबई में अपने घर जलसा के बाहर फैंस से मुलाकात की। हमेशा की तरह बड़ी संख्या में लोग सिर्फ उन्हें देखने पहुंचे थे। अमिताभ बच्चन ने भी हाथ जोड़कर सबका अभिवादन किया। अमिताभ बच्चन अपने फैंस पर प्यार लुटाने का कोई मौका नहीं छोड़ते। अपने घर जलवा के बाहर भी जब कभी बिग बी नजर आते हैं तो फैंस मोबाइल निकालकर उनकी तस्वीरें लेने लगते हैं। अमिताभ बच्चन हर दिन एक्स पर अपने फैंस के लिए कोई न कोई चौंकाने वाले पोस्ट करते रहते हैं। हाल ही में बिग बी ने अपनी इस पोस्ट पर लिखा, 'ये मुस्कुराहटें ही मुझे जीने की ताकत देती हैं। काम करने और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी यही देती है। उनकी इस पोस्ट पर फैंस ने खूब प्यार जताया।

सामंथा ने राज निदिमोरु संग गुपचुप रचाई शादी

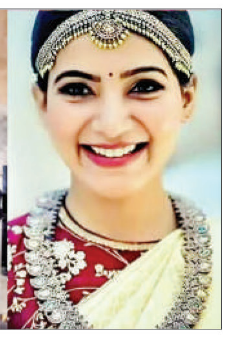

साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु अपने कामकाज के साथ साथ निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहती हैं. उनकी पहली शादी नागार्जुन के बेटे नागा चैतन्य के साथ हुई थी लेकिन दोनों का तलाक हो गया। जहां नागा चैतन्य अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गए और शोभिता धुलीपाला संग ब्याह रचा लिया तो वहीं सामंथा की जिंदगी में भी दूसरी बार प्यार ने दस्तक दी। पिछले लंबे समय से सामंथा रुथ प्रभु का द फैमिली मैन के डायरेक्टर राज निदिमोरु के साथ अफेयर की चर्चा रही है। अब दोनों ने गुपचुप शादी करके फैंस को हैरत में डाल दिया है। शादी समारोह में दोनों के परिवार और करीबी शामिल हुए।

हॉलीवुड में कुछ बड़ा करना चाहती हैं

प्रियंका चोपड़ा

अपनी मेहनत और हौसले के बलबूते पर प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय किया है। हिंदी सिनेमा में भी एक्ट्रेस को काफी संघर्ष करना पड़ा, लेकिन अब वे ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं और बॉलीवुड-हॉलीवुड दोनों तरह की फिल्मों से फैंस का दिल जीत रही हैं। हालांकि, आज भी प्रियंका का कहना है कि हॉलीवुड में उन्हें बहुत कुछ करना है। प्रियंका चोपड़ा ने साल 2015 में अमेरिकी टीवी सीरीज 'क्वांटिको' से हॉलीवुड में कदम रखा और उसके बाद 'बेवॉच', 'इजंट इट रोमांटिक', 'द व्हाइट टाइगर', 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शंस', 'हेड्स ऑफ स्टेट्स', और एक्शन थ्रिलर सीरीज 'सिटाडेल' जैसे प्रोजेक्ट्स में काम किया। अपनी हॉलीवुड जर्नी पर बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने आईएएनएस से कहा, 'मैं इन सब के बारे में थोड़ा सोचती हूं, क्योंकि एक कलाकार होने के नाते मुझे अंग्रेजी भाषा में अभी और भी काम करना है। मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत भी नहीं की है। मैंने हिंदी सिनेमा में लगभग हर तरह का काम किया है और अब मैं वैसा ही काम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर करना चाहती हूं। '

भावनाओं तक पहुँच पाना एक्टर के अस्तित्व के लिए विकल्प नहीं ज़रूरत है

कुब्रा सैत

कुब्रा सैत हमेशा उस अंदरूनी दुनिया के बारे में बेबाकी से बात करती हैं, जो उनके अभिनय को आकार देती है। अपनी कच्ची, सच्ची परफॉर्मेंसेज़ और जटिल किरदारों में पूरा ढल जाने की क्षमता के लिए जानी जाने वाली कुब्रा अक्सर उस भावनात्मक अनुशासन पर बात करती हैं, जिसकी मांग एक्टिंग करती है। इस व्यक्तिगत अनुभव में, वह उस पल को याद करती हैं जब उन्होंने सच में समझा कि अपनी जिम्मेदारी के साथ, साहस के साथ, और पूरी सजगता के साथ भावनाओं तक पहुँचना क्या होता है। उनके सफर की शुरुआत में मिली यह सीख आज भी यह उन्हें स्क्रीन के साथ जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। इस सिलसिले में अपनी बात रखते हुए वे कहती हैं, 'एक्टर के तौर पर मैंने सीखा कि अगर आप अपनी भावनाओं तक पहुँचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आप एक्टर बन ही नहीं सकते। हालांकि यह भी हो सकता है कि उन भावनाओं तक पहुँचने के लिए जो रास्ता आप अपनाते हैं, वह बहुत खतरनाक हो, लेकिन आपको आगे बढ़ना ही होगा। मुझे याद है, मैंने यह बात अपने एक डायरेक्टर अनुराग कश्यप से सीखी। पहली बार मुझे कैमरे पर रोना था, और मुझे नहीं पता था कि मैं ये कैसे करूँगी। यह डर मेरे दिमाग में घर कर चुका था, तभी उन्होंने मेरी तरफ देखा और कहा, 'हम यहाँ बैठेंगे, लाइनें पढ़ेंगे और बस खुद के साथ रहेंगे। हम तुम्हारे अंदर की उस खिड़की को खोलेंगे, ताकि भावनाएँ भीतर आ सकें। और आज रात जाने से पहले हम उस खिड़की को फिर बंद भी करेंगे।' यह बात मेरे भीतर बस गई। हम सभी के भीतर वह खिड़की होती है, जो हमारी भावनाओं की दुनिया तक पहुँचने का एक रास्ता होती है। उसे खोलने और बंद करने की क्षमता ही हमें संतुलित रखती है और हमें ज़िंदा रखती है।

जया बच्चन के पैपराजी वाले बयान पर भड़के अशोक पंडित, बताया घमंडी

अभिनेत्री और राज्यसभा सांसद जया बच्चन अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। एक बार फिर से उनका पैपराजी और मीडिया को लेकर दिया बयान छाया हुआ है। इस पर फिल्म मेकर-सोशल वर्कर अशोक पंडित ने कड़ी आपत्ति जताई है। पैपराजी के खिलाफ दिए जया बच्चन के बयान पर आपत्ति जताते हुए अशोक पंडित ने इंस्टाग्राम हैंडल पर लंबी पोस्ट में एक्ट्रेस को 'घमंडी एलीटिज्म' दिखाने का आरोप लगाया। अशोक पंडित ने लिखा, 'पैपराजी के खिलाफ जया बच्चन जी का बयान घमंडी एलीटिज्म जैसा लगता है। कुछ पैप्स की आक्रामक कवरेज की आलोचना करना अलग बात है, लेकिन पूरे प्रोफेशन को क्लासिस्ट अंदाज में नीचा दिखाना हमारी फिल्म इंडस्ट्री के इतने सीनियर सदस्य और सांसद को शोभा नहीं देता। '

बेटियों को सांत्वना देने पहुंचे शत्रुघ्न सिन्हा , लिखा भावुक करने वाला नोट

हेमा मालिनी और उनकी अभिनेता और सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि पिछले सप्ताह धर्मेंद्र के निधन के बाद वह पारिवारिक मित्र हेमा मालिनी से मिलने गए थे लेकिन उन्हें ऐसी हालत में देखकर बहुत पीड़ा हुई। धर्मेंद्र का 24 नवंबर को 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। धर्मेंद्र और हेमा मालिनी दोनों के करीबी दोस्त रहे शत्रुघ्न ने सोमवार को अपने एक्स खाते पर पुरानी तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह धर्मेंद्र और हेमा के साथ नजर आ रहे हैं। एक भावुक संदेश में शत्रुघ्न ने बताया कि उन्होंने धर्मेंद्र की बेटियों ईशा देओल और अहाना देओल से भी मुलाकात की।उन्होंने फोटो के साथ संदेश में लिखा, हमारी सबसे प्यारी पारिवारिक मित्र हेमा से मुलाकात हुई। हमारे सबसे प्यारे पारिवारिक मित्र, हमारे बड़े भाई धर्मेंद्र के निधन की इस दुःखद घड़ी में उनसे मिलना बेहद विचलित करने वाला था। उनकी दोनों प्यारी बेटियों ईशा एवं अहाना से मुलाकात हुई और उन्हें ढांढस बंधाया। सिन्हा ने लिखा, धरमजी बड़े ही रहम दिल और सौम्य स्वभाव के शख्स थे। वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें हमेशा हमारे साथ रहेंगी। इस कठिन समय में प्रार्थना और संवेदना। ईश्वर उन सभी पर कृपा करें। शत्रुघ्न ने धर्मेंद्र के साथ ब्लैकमेल (1973) और जलजला (1988) और हेमा के साथ हिरासत (1987) और कैदी (1984) जैसी फिल्मों में काम किया। तीनों कलाकार 1974 की फिल्म दोस्त में भी एक साथ नजर आए थे।

विपुल अमृतलाल शाह का नया म्यूज़िक लेबल हुआ लॉन्च, पहला गाना 'शुभारंभ' सिद्धिविनायक में रिलीज

विपुल अमृतलाल शाह अब अपना क्रिएटिव काम और बढ़ा रहे हैं, क्योंकि उन्होंने अपने बैनर सनशाइन पिक्चर्स के साथ मिलकर एक नया म्यूज़िक लेबल 'सनशाइन म्यूज़िक' लॉन्च किया है। असर सिनेमा और यादगार साउंडट्रैक्स बनाने के लिए जाने जाने वाले शाह ने अब नया सेगमेंट शुरू किया है, जिसका मकसद नए म्यूजिकल टैलेंट को तलाशना, उन्हें आगे बढ़ाना और प्रमोट करना है। लेबल की पहली पेशकश शुभारंभ आज मुंबई के मशहूर सिद्धिविनायक मंदिर में एक खास समारोह के दौरान लॉन्च की गई, जहाँ विपुल अमृतलाल शाह और शेफाली शाह मौजूद थे। यह शुरुआत सच में शुभ और दिल से जुड़ी हुई महसूस हुई। शुभारंभ के साथ, सनशाइन म्यूज़िक यह दिखाना चाहता है कि आगे वह किस तरह का विविध और बेहतरीन क्वालिटी वाला कंटेंट पेश करने जा रहा है। प्रोजेक्ट को आशिन ए. शाह ने को-प्रोड्यूस किया है, जबकि म्यूज़िक हेड सुरेश थॉमस लेबल की पहली बड़ी रिलीज़ की क्रिएटिव डायरेक्शन और पूरी लॉन्च प्रक्रिया संभाल रहे हैं। शाह की फिल्मों को हमेशा से ही उनके सोलफुल और मधुर गानों के लिए जाना जाता है। नमस्ते लंदन, लंदन ड्रीम्स, एक्शन रिप्ले और सिंह इज किंग जैसी म्यूज़िकल कहानियाँ आज भी अपने म्यूज़िक की वजह से सबसे ज़्यादा पसंद की जाने वाली फिल्मों में गिनी जाती हैं। विपुल अमृतलाल शाह हमेशा से ऐसी फिल्में बनाते आए हैं जो असर छोड़ती हैं और अलग-अलग तरह की कहानियाँ चुनते हैं। यही वजह है कि शाह आज भारतीय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के सबसे सम्मानित और सफल प्रोड्यूसर्स में गिने जाते हैं।

कभी बोल्डनेस से मचाती थी तहलका

आज बदल गया एक्ट्रेस का पूरा लुक

साल 2006 में रिलीज हुई फिल्म 'अक्सर' में अपनी अदाकारी और ख़ासकर ज़बरदस्त बोल्डनेस के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री उदिता गोस्वामी ने भले ही बड़े पर्दे से दूरी बना ली हो, लेकिन आज भी लोग उन्हें नहीं भूले हैं। इमरान हाशमी स्टारर इस फिल्म का गाना 'झलक दिखला जा' उस दौर का सबसे बड़ा हिट साबित हुआ था। हिमेश रेशमिया द्वारा गाया गया यह गाना आज भी पार्टियों की शान है और इसने उदिता गोस्वामी को अपार लोकप्रियता दिलाई थी। 'अक्सर' की रिलीज के बाद उदिता की बोल्डनेस ने खूब सुर्खियां बटोरीं, और वह रातोंरात युवाओं के बीच एक जाना-पहचाना चेहरा बन गईं। हालांकि, एक वक्त पर फिल्मी दुनिया में अच्छी-खासी पहचान बनाने के बाद उदिता ने अचानक इंडस्ट्री से किनारा कर लिया। अपनी बोल्डनेस से तहलका मचाने वाली उदिता ने अब अपनी लाइफ़स्टाइल में बड़ा बदलाव किया है। 20 साल बाद, भले ही उनका अंदाज़ बदल गया हो, लेकिन उन्होंने अपनी पर्सनैलिटी और फिटनेस को बेहतरीन तरीक़े से मेंटेन रखा है। उदिता सोशल मीडिया पर काफ़ी सक्रिय रहती हैं और अक्सर अपने लेटेस्ट फोटो और वीडियो पोस्ट करती हैं। अब वह एक शौकीन डीजे के तौर पर एंटरटेनमेंट की फील्ड में एक्टिव हैं। उनकी ये नई भूमिका उनके सोशल मीडिया पोस्ट्स में अक्सर देखने को मिलती है।

(साभार एजेंसी)

लंदन चेस क्लासिक में चमके प्रज्ञानंद, बने को-लीडर; विश्व रैंकिंग में भी बनाए रखा दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रज्ञानंद ने दिन की शुरुआत हंगरी के ग्रैंडमास्टर टामस फोडोस जूनियर के खिलाफ सिर्फ 21 चालों में ड्रॉ खेलकर की, लेकिन दूसरे मुकाबले में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए इस्राइल के इंटरनेशनल मास्टर एटन रोजेन को हराया। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने लंदन चेस क्लासिक ओपन 2025 में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए टूर्नामेंट के को-लीडर बन गए हैं। उन्होंने छठे राउंड तक 5/6 अंक हासिल किए हैं और इस समय सर्बिया के ग्रैंडमास्टर वेलिमिर इविक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। प्रज्ञानंद ने दिन की शुरुआत हंगरी के ग्रैंडमास्टर टामस फोडोस जूनियर के खिलाफ सिर्फ 21 चालों में ड्रॉ खेलकर की, लेकिन दूसरे मुकाबले में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए इस्राइल के इंटरनेशनल मास्टर एटन रोजेन को हराया। उनका अगला मुकाबला अब वेलिमिर इविक से होगा, जो टूर्नामेंट का निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

विश्व रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों की स्थिति

ताजा फीडे दिसंबर 2025 रेटिंग सूची में प्रज्ञानानंदा ने कुछ रेटिंग अंक गंवाने के बावजूद अपनी विश्व नंबर 7 रैंकिंग बरकरार रखी है। वहीं, भारत के एक और युवा सितारे अरुण एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6.4 श्वद्यश अंक जोड़े और वह फिर से विश्व नंबर 5 पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर, मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को विश्व कप 2025 के तीसरे दौर से बाहर होने के बाद रैंकिंग में गिरावट का सामना करना पड़ा और वह अब टॉप-10 में 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

टॉप 30 में भारतीय उपस्थिति

वर्तमान में विश्व के टॉप 30 खिलाड़ियों में केवल पांच भारतीय शामिल हैं। पेंटाला हरिकृष्णा ने विश्व कप में अपने करियर की बेहतरीन परफॉर्मेंस देते हुए 3 श्वद्यश अंक जोड़े। वहीं प्रणव वेंकटेश ने भी स्थिर प्रदर्शन करते हुए अपनी रेटिंग बरकरार रखी।

हैदराबाद में लियोनल मेसी का जादू! तेलंगाना के मुख्यमंत्री करेंगे फ्रेंडली फुटबॉल मैच की शुरुआत

हैदराबाद, एजेंसी। 28 नवंबर को मुख्यमंत्री ने पुष्टि की थी कि वह भारत में होने वाले GOAT Tour to India 2025 के तहत मेसी का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। हैदराबाद उनका दूसरा पड़ाव होगा, इससे पहले वह कोलकाता पहुंचेंगे। दुनिया के महानतम फुटबॉलरों में शुमार लियोनेल मेसी जल्द ही भारत आने वाले हैं, और उनके इस दौरे को लेकर उत्साह चरम पर है। खबर है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी मेसी की मौजूदगी में होने वाले एक फ्रेंडली फुटबॉल मैच की शुरुआत करेंगे। यह मैच 13 दिसंबर को हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

सरकारी जश्न का हिस्सा होगा फुटबॉल मुकाबला

यह फ्रेंडली मैच तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले बड़े समारोह का हिस्सा है। हालांकि मैच के अन्य विवरणों की आधिकारिक घोषणा कुछ दिनों में की जाएगी, लेकिन मेसी की मौजूदगी को लेकर पहले ही बड़ा उत्साह देखने को मिल रहा है।

रेवंत रेड्डी की फुटबॉल पसंद फिर आई सामने

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी केवल राजनीतिक ही नहीं बल्कि खेल के मैदान में भी सक्रिय रहे हैं। वह खुद फुटबॉल खेलना पसंद करते हैं और हाल ही में उन्होंने खिलाड़ियों के साथ अभ्यास भी किया। इससे पहले उन्होंने हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ दोस्ताना मैच भी खेला था।

तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट में भी होंगे बड़े नाम

राज्य सरकार 1 से 13 दिसंबर तक दो साल पूरे होने का जश्न मनाने जा रही है। इसी दौरान रेवंत रेड्डी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भी तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट (8-9 दिसंबर) के लिए आमंत्रित करेंगे। इस समिट का आयोजन प्रस्तावित भारत फ्यूचर सिटी में होगा। इस दौरान राज्य की विकास योजनाओं पर आधारित तेलंगना राइजिंग विजन डॉक्यूमेंट 2047 भी जारी किया जाएगा।

श्रीकांत के हाथ लगी निराशा

त्रीसा-गायत्री लगातार दूसरी बार चैंपियन

लखनऊ, एजेंसी। त्रीसा जोली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार महिला युगल का खिताब अपने नाम किया, जबकि किदांबी श्रीकांत का आठ साल से चली आ रही खिताबी प्यास बुझने से चूक गई। लखनऊ में खेले गए सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत को खुशी और दर्द दोनों की झलक मिली। त्रीसा जोली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार महिला युगल का खिताब अपने नाम किया, जबकि किदांबी श्रीकांत का आठ साल से चली आ रही खिताबी प्यास बुझने से चूक गई।

श्रीकांत की दिल तोड़ने वाली हार

2017 के फ्रेंच ओपन के बाद से कोई खिताब नहीं जीत पाए किदांबी श्रीकांत फाइनल में जीत के बेहद करीब थे, लेकिन हांगकांग के विश्व नंबर 59 जेसन गुनावन ने 67 मिनट के रोमांचक मुकाबले में उन्हें 16-21, 21-8, 20-22 से हराकर उनकी उम्मीदें तोड़ दीं।

IPL 2026: RCB के होम ग्राउंड पर लगा ताला, सुरक्षा क्लीयरेंस के बिना नहीं होगा कोई मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2026 मैचों का आयोजन अब संदेह के घेरे में है। राज्य सरकार ने स्टेडियम की संरचनात्मक सुरक्षा की विस्तृत जांच अनिवार्य कर दी है। यह फैसला इसी साल जून में हुए दर्दनाक भगदड़ हादसे के बाद लिया गया है।

सुरक्षा रिपोर्ट जमा करना अनिवार्य

लोक निर्माण विभाग ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ को नोटिस जारी कर कहा है कि स्टेडियम की विस्तृत और प्रमाणित सुरक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

यह रिपोर्ट प्रमाणित विशेषज्ञों द्वारा तैयार की जानी चाहिए, ताकि तकनीकी मानकों का सही आकलन किया जा सके। 17 एकड़ भूमि पर बने इस स्टेडियम को दर्शक दीर्घाओं सहित पूरे ढांचे की मजबूती साबित करनी होगी। सरकार ने साफ किया है कि स्वतंत्र जांच के बाद ही आईपीएल मैचों की मंजूरी दी जाएगी।

स्टाम्पीड के बाद से चिन्नास्वामी में मैच बंद

जून में हुए भीषण हादसे में 11 लोगों की मौत और करीब 50 लोग घायल हो गए थे। यह दुर्घटना आरसीबी की पहली आईपीएल खिताबी जीत के बाद आयोजित सम्मान समारोह के दौरान हुई थी। इसके बाद जस्टिस जॉन माइकल डी'कुन्हा की अगुवाई वाली स्वतंत्र समिति ने स्टेडियम को बड़े आयोजनों के लिए 'असुरक्षित' घोषित किया था। समिति ने चेतावनी दी थी कि यहां बड़े कार्यक्रम कराना भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिहाज़ से 'अस्वीकार्य जोखिम' पैदा करता है।

महिला विश्व कप और टी20 विश्व कप की मेजबानी भी छिनी

रिपोर्ट आने के बाद बीसीसीआई ने बेंगलुरु से महिला वनडे विश्व कप और पुरुष टी20 विश्व कप 2026 की मेजबानी भी वापस ले ली। यह मैच अब नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम को दिए गए हैं।

आरसीबी का घरेलू किला भी असुरक्षित घोषित

आईपीएल की शुरुआत से ही आरसीबी का घरेलू मैदान रहा चिन्नास्वामी, दर्शकों के लिए भारत के सबसे रोमांचक और शोरगुल वाले स्टेडियमों में माना जाता है। लेकिन सुरक्षा प्रमाणन मिलने तक यहां बड़े मैचों की वापसी फिलहाल मुश्किल दिख रही है।

'कोहली-रोहित के बिना 2027 वर्ल्ड कप नहीं जीत सकते...'

इस भारतीय दिग्गज ने चयनकर्ताओं को दी नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तानों विराट कोहली और रोहित शर्मा के ओडीआई फ्यचूर को लेकर हालिया समय में काफी अटकलें लगी हैं. दोनों टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, ऐसे में कई क्रिकेट विशेषज्ञ यह सवाल उठा रहे थे कि क्या कोहली और रोहित 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक खेल पाएंगे.

तब तक कोहली की उम्र करीब 39 साल जाएगी. वहीं रोहित शर्मा तब तक 40 साल से ज्यादा के हो जाएंगे.

अब रांची वनडे में दोनों की शानदार बल्लेबाजी ने यह बहस खत्म कर दी है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ रांची वनडे में विराट कोहली ने शानदार 135 रन बनाए. वहीं रोहित शर्मा के बल्ले से 57 रन निकले. रोहित-कोहली ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 136 रनों की पार्टनरशिप की, जिसके दम पर भारत ने 349 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया. भारत ने इस मैच को 17 रनों से जीता और सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली. इस एक साझेदारी ने दिखा दिया कि रोहित-कोहली अभी भी पहले जैसे ही खतरनाक हैं. अब टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और पूर्व चीफ सेलेक्टर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने इन दोनों स्टार बल्लेबाजों की जमक तारीफ की है. श्रीकांत का कहना है कि 2027 का वनडे वर्ल्ड कप रोहित और कोहली के बिना भारतीय टीम जीत ही नहीं सकती.

'दोनों के बिना प्लान बनाना बेकार...'

कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'रोहित और कोहली अलग ही लेवल पर खेल रहे हैं. क्रिकेट के इस दौर में इतने कठिन मैच खेलना आसान नहीं है. लेकिन वे दोनों सिर्फ एक फॉर्मेट खेलकर भी अपनी फिटनेस और मानसिकता बेहतरीन बनाए हुए हैं. इन दोनों के बिना प्लान बनाना बेकार है. 2027 वर्ल्ड कप जीतना है तो रोहित और विराट टीम में होने ही चाहिए.'

अजलान शाह हॉकी कप

फाइनल में भारत को 1-0 से हराया

बेल्जियम ने जीता अजलान शाह हॉकी का खिताब

कुआलालंपुर, एजेंसी। जुगराज सिंह, अमित रोहिदास और संजय इस टूर्नामेंट के दौरान पेनल्टी कॉर्नर में अच्छा प्रदर्शन करेन में सफल रहे, लेकिन फाइनल में बेल्जियम की रक्षा पंक्ति को छकाने में नाकाम रहे। बेल्जियम ने रविवार को रोमांचक फाइनल में भारत को करीबी मुकाबले में 1-0 से हराकर सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। भारत को मैच के 34वें मिनट में थिब्यू स्टॉकब्रोक्स के गोल के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह बेल्जियम का पहला सुल्तान अजलन शाह खिताब है। टीम सिर्फ दूसरी बार इस प्रतियोगिता में खेल रही थी। शनिवार को कनाडा के खिलाफ 14-3 की बड़ी जीत के बाद इस मैच में उतरा भारत दुर्भाग्य से तीन पेनल्टी कॉर्नर में से एक को भी गोल में नहीं बदला सका। जुगराज सिंह, अमित

रोहिदास और संजय इस टूर्नामेंट के दौरान पेनल्टी कॉर्नर में अच्छा प्रदर्शन करेन में सफल रहे, लेकिन फाइनल में बेल्जियम की रक्षा पंक्ति को छकाने में नाकाम रहे। लीग चरण में यूरोपियन टीम के खिलाफ 2-3 से हारने के बाद यह इस टूर्नामेंट में भारत की दूसरी हार थी। मनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के टूर्नामेंट से आराम लेने के कारण जिम्मेदारी युवा खिलाड़ियों पर थी जिन्होंने हार के अंतर को कम रखकर अच्छा प्रदर्शन किया। दोनों टीमों ने रणनीति खेल दिखाया जिसमें बेल्जियम ने गेंद को अधिक समय अपने पास रखकर बेहतर शुरुआत की। उनके आक्रामण ने दोनों छोर से भारतीय रक्षा पंक्ति को परेशान किया और भारतीय गोलकीपर को कुछ करीबी बचाव करने पड़े। बेल्जियम को शुरुआत में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारत ने इन्हें नाकाम कर दिया। भारत ने धीमी शुरुआत के बाद लय हासिल की लेकिन बेल्जियम ने उन्हें मिडफील्ड में बेहतर नियंत्रण बनाकर परेशान किया। मध्यांतर तक दोनों ही टीम गोल का खाता खोलने में नाकाम रहीं। बेल्जियम ने दूसरे हाफ में बेहतर लय में खेलकर भारत पर दबाव डाला।भारत ने भी कुछ अच्छे मूव बनाए लेकिन तीसरे क्वार्टर में भी बेल्जियम के डिफेंस को मात नहीं दे सके। इस बीच 34वें मिनट में स्टॉकब्रोक्स के गोल ने भारत को दबाव में डाल दिया। आखिरी क्वार्टर में भारत ने स्कोर बराबर करने की बहुत कोशिश की लेकिन बेल्जियम के डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे।

मेरा करियर एक फॉर्मेट तक सीमित है : विराट कोहली

रांची, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद विराट कोहली की टेस्ट फॉर्मेट में फिर से वापसी की चर्चा शुरू हो गई थी। रांची वनडे में विराट के शतक के बाद उनकी टेस्ट वापसी की चर्चा और जोर-शोर से शुरू हुई, लेकिन विराट ने इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है।

विराट कोहली ने रांची वनडे के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान यह स्पष्ट कर दिया कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर अब सिर्फ एक फॉर्मेट, वनडे, तक सीमित है, उससे आगे कुछ नहीं। विराट से पूछा गया कि क्या उनका इरादा सिर्फ वनडे में ही खेलना है, तो उन्होंने कहा, 'हां, और हमेशा ऐसा ही रहेगा। मैं सिर्फ एक तरह का गेम खेल रहा हूं। कोहली ने समझाया, 'अगर आपने 300 के आस-पास गेम खेले हैं, तो आपको पता होता है कि लंबे समय तक बैटिंग करने की फिजिकल क्षमता कब होती है। जब तक आप बॉल को अच्छी तरह से हिट कर रहे हैं, यह फिजिकली फिट, मेंटली तैयार और एक्साइटेड होने के बारे में है। कोहली के इस बयान से स्पष्ट हो गया कि उनका ध्यान वनडे विश्व कप 2027 पर है। विराट ने रांची वनडे में 120 गेंद पर 135 रन की पारी खेली। विराट का यह 52वां वनडे शतक था। इस पारी में विराट ने 7 छक्के और 11 चौके लगाए और मैच में भारत को 17 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें उनकी बेहतरीन शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

शुभमन गिल का आया हेल्थ अपडेट, कब थामेंगे बल्ला और मैच में होगी वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 5 मैच की रोमांचक टी20 सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होने वाली है। इस सीरीज से पहले भारत के वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल की फिटनेस पर बड़ा अपडेट आया है। इस बात से हर कोई वाकिफ है कि शुभमन गिल चोटिल चल रहे हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में उन्हें गर्दन में परेशानी हुई थी, जिसके बाद वह अस्पताल में भी भर्ती हुए थे। शुभमन गिल गर्दन में चोट की वजह से ही साउथ अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट और अब 3 मैचों की वनडे सीरीज भी नहीं खेल पाए।

- **रिहैबिलिटेशन के लिए बेंगलुरु जाएंगे शुभमन गिल**- एक रिपोर्ट के मुताबिक, शुभमन गिल 1 या 2 दिसंबर को बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंच जाएंगे। वहां पर वह अपना रिहैबिलिटेशन शुरू करेंगे। ऐसा बताया जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों में गिल बल्लेबाजी भी शुरू कर सकते हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनपर नजर रखेगी। ऐसा पता चला है कि चंदीगढ़ (परिवार के साथ वक्त बिताने के लिए) रवाना होने से पहले मुंबई में शुभमन गिल ने फीजियोथेरेपी सेशन लिए थे।
- **टी20 सीरीज में कर सकते हैं वापसी**- शुभमन गिल की साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में वापसी करने की संभावना है। अगले कुछ दिनों में साफ हो जाएगा कि शुभमन टी20 सीरीज भी खेलेंगे या नहीं। गिल को हाल ही में टेस्ट और वनडे की कप्तानी सौंपी गई है।

भारत से आए प्रतिभाशाली लोगों से अमेरिका को अत्यंत फायदा हुआ है : मस्क

» न्यूयॉर्क, भाषा।

अमेरिका की एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने एचबी वीजा का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि अमेरिका को भारत से आए प्रतिभाशाली लोगों का अत्यंत फायदा मिला है और चेतावनी दी कि यदि इसे बंद कर दिया गया तो यह अमेरिका के लिए वास्तव में बहुत बुरा होगा। अमेरिका के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अरबपति कारोबारी ने निवेशक एवं उद्यमी निखिल कामत के पॉडकास्ट पीपल बाय डब्ल्यूटीएफ में एक साक्षात्कार के दौरान यह टिप्पणी की, जो रविवार को प्रसारित हुआ। मस्क ने कहा, हां, मुझे लगता है कि अमेरिका को उन प्रतिभाशाली भारतीयों से बहुत लाभ हुआ है जो अमेरिका आए... अमेरिका, भारत की प्रतिभा से अत्यंत लाभान्वित हुआ है।

एच-1बी वीजा को लेकर टेस्ला के सीईओ ने कहा कि भले ही इस कार्य वीजा कार्यक्रम का कुछ दुरुपयोग हुआ है लेकिन उनका दृढ़ विश्वास है कि इसे बंद नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यह कहना सही होगा कि... कुछ आउटसोर्सिंग कंपनियों ने एच-1बी प्रणाली का दुरुपयोग किया है। और हमें इस दुरुपयोग को रोकने की जरूरत है। लेकिन मैं बिल्कुल भी उस विचारधारा का हिस्सा नहीं हूं कि इस कार्यक्रम को बंद कर दिया जाए। कुछ दक्षिणपंथी लोग ऐसा सोचते हैं। मेरा मानना है कि उन्हें समझ नहीं है कि ऐसा करना वास्तव में बहुत बुरा होगा। उनकी टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका ने एच-1बी वीजा के दुरुपयोग को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर सख्ती शुरू की है। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियां विदेशियों को रोजगार देने के लिए इस वीजा का व्यापक रूप से उपयोग करती हैं। भारतीय पेशेवर खासकर प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कर्मचारी और चिकित्सक एच-1बी वीजा धारकों के सबसे बड़े समूहों में शामिल हैं। मस्क ने आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में बड़े पैमाने पर अवैध आव्रजन हुआ, जिसने नकारात्मक प्रभाव पैदा किया। उन्होंने कहा, अगर अमेरिका में अवैध रूप से आने और सरकारी लाभ पाने का बड़ा आर्थिक प्रलोभन होगा, तो स्वाभाविक रूप से लोग अमेरिका आने की कोशिश करेंगे। यह पूरी प्रोत्साहन संरचना ही गलत थी। जब उनसे पूछा गया कि भारत के युवा उद्यमियों के लिए उनका संदेश क्या है, तो मस्क ने कहा कि वह उन सभी का सम्मान करते हैं जो कुछ बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, आप जो पाना चाहते हैं, उससे अधिक देने का लक्ष्य रखें। यदि आप कुछ मूल्यवान बनाना चाहते हैं... उपयोगी उत्पाद और सेवाएं देना चाहते हैं... तो पैसा अपने-आप आएगा।

मेरी पार्टनर आधी भारतीय है, बेटे का मध्य नाम शेखर रखा है : मस्क

न्यूयॉर्क। स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने कहा है कि उनकी साथी शिवोन जिलिस आधी भारतीय हैं और उन्होंने अपने एक बच्चे का मध्य नाम नोबेल पुरस्कार विजेता सुब्रमण्यन चंद्रशेखर के नाम पर शेखर रखा है। जिलिस और मस्क के चार बच्चे हैं - जुड़वां बच्चे स्ट्राइडर और एज्योर, एक बेटी अर्काडिया और बेटा सेल्डन लाइकर्गस। ज़िलिस मस्क की एक कंपनी न्यूरालिंक में ऑपरेशन्स और स्पेशल प्रोजेक्ट्स में निदेशक हैं। मस्क ने जिरोधा के सह संस्थापक निखिल कामथ के कार्यक्रम पीपुल बाय डब्ल्यूटीएफ में साक्षात्कार में कहा, जिलिस से मेरा एक बेटा है, उसका मध्य नाम चंद्रशेखर के नाम पर शेखर रखा गया है। एस. चंद्रशेखर एक प्रसिद्ध भारतीय-अमेरिकी खगोल भौतिकीविद थे, जिन्हें तारों की संरचना और विकास के लिए महत्वपूर्ण भौतिक प्रक्रियाओं पर उनके सैद्धांतिक अध्ययनों को लेकर 1983 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। यह पूछे जाने पर कि क्या जिलिस भारत में रही हैं, इस पर मस्क ने कहा जब वह छोटी थीं तभी उन्हें गोद ले लिया गया था और वह कनाडा में पली-बढ़ी हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उनके पिता विश्वविद्यालय में पढ़ने आए थे, या कुछ ऐसा ही रहा होगा। मुझे इसकी पूरी जानकारी नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ उनके इलाज की निगरानी कर रहे...

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया वेंटिलेटर पर : पार्टी नेता

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत बहुत खराब है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है तथा स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ उनके इलाज की निगरानी कर रहे हैं। यह जानकारी उनकी पार्टी के नेताओं ने सोमवार को दी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष जिया को 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें सीने में संक्रमण की शिकायत थी, जिससे उनके हृदय और फेफड़े प्रभावित हुए। चार दिन बाद, स्वास्थ्य जटिलताएं बढ़ने पर उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) में स्थानांतरित किया गया था।

समाचार पोर्टल टीबीएसन्यूजडॉटनेट ने बीएनपी उपाध्यक्ष एडवोकेट अहमद आजम खान के हवाले से बताया कि जिया की हालत बिगड़ गई है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। उन्होंने यहां एवरकेयर अस्पताल के बाहर संवाददाताओं से कहा, उनकी (खालिदा जिया) हालत बहुत खराब है। पूरे देश से प्रार्थना करने का अनुरोध करने के अलावा और कुछ नहीं किया जा सकता। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने भी पुष्टि की कि जिया की हालत गंभीर बनी हुई है और ढाका के अस्पताल में उनका इलाज जारी है, जहां स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ उनकी देखभाल में लगे हुए हैं। समाचार वेबसाइट ने उनके हवाले से कहा, वह काफी बीमार हैं। पूरा देश उनके स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहा है...वह गंभीर रूप से बीमार हैं और हमारे डॉक्टर हर संभव प्रयास कर रहे हैं। स्थानीय और विदेशी विशेषज्ञ उनके इलाज में लगे हुए हैं। वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं। बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिजवी ने रविवार को कहा कि जिया (80) की स्थिति में कोई खास बदलाव नहीं आया है। बांग्लादेश के दिवंगत राष्ट्रपति जियाउर रहमान की पत्नी खालिदा जिया लंबे समय से कई गंभीर बीमारियों से जूझ रही हैं, जिनमें जिगर और गुर्दे संबंधी समस्याएं, मधुमेह, गठिया और आंखों की बीमारियां शामिल हैं। इस वर्ष वह उन्नत चिकित्सा उपचार के लिए चार महीने लंदन में रहने के बाद छह मई को ढाका लौटी थीं। उनके इकलौते बेटे एवं बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान 2008 से लंदन में रह रहे हैं। उनके दूसरे बेटे अराफात रहमान का 2025 में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। पांच अगस्त, 2024 को छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से हटने के बाद, बीएनपी बांग्लादेश के बदले हुए राजनीतिक परिदृश्य में अग्रणी दल के रूप में फिर से उभरी है।

ईसा मसीह पर बनी रूबेन्स की दुर्लभ पेंटिंग 27 लाख डॉलर में बिकी

वर्सलीज (फ्रांस), (भाषा)। बारोक काल के महान चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक लंबे समय से खोई हुई पेंटिंग रविवार को वर्सलीज में हुई नीलामी में 27 लाख डॉलर में बिकी। यह पेंटिंग चार सदी से अधिक समय बाद हाल में पेरिस के एक निजी टाउनहाउस में मिली थी। इसमें ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाए जाने का दृश्य दर्शाया गया है। यह एक फ्रांसीसी संग्रह का हिस्सा थी और शुरू में यह माना जा रहा था कि यह उस समय मौजूद रूबेन्स की कई कार्यशालाओं में से किसी एक में बनाई गई कृति है। नीलामीकर्ता जीन-पियरे ओसेना ने बताया, मुझे इस पेंटिंग को देखकर तुरंत एक एहसास हुआ और मैंने इसे प्रमाणित करवाने के लिए हर संभव प्रयास किया और अंत में हम इसे एंटवर्प स्थित रूबेन्स समिति रुबेनियानम से प्रमाणित करवाने में सफल हुए। रूबेन्स पर शोध के लिए प्रसिद्ध विशेषज्ञ निल्स ब्यूट्नर ने नीलामी से पहले बताया कि मशहूर कलाकार ने सूली पर चढ़ाए जाने के दृश्य अक्सर चित्रित किए लेकिन उन्होंने बहुत कम अवसरों पर सूली पर मृत अवस्था में ईसा मसीह को दर्शाया। उन्होंने कहा, यह एकमात्र ऐसी पेंटिंग है जिसमें ईसा मसीह के पार्श्व-घाव से रक्त और पानी बहते हुए दिखाया गया है और रूबेन्स ने इसे सिर्फ एक बार बनाया था। ओसेना नीलामी हाउस ने बताया कि वैज्ञानिक विश्लेषण के बाद इस पेंटिंग की प्रामाणिकता और उत्पत्ति की पुष्टि की गई। कला विशेषज्ञ एरिक टुर्किन ने कहा कि यह पेंटिंग 1600 के शुरुआती दशक में लगभग गायब हो गई थी। ऐसी जानकारी है कि 19वीं सदी के फ्रांसीसी क्लासिक चित्रकार विलियम बूगुएरो के पास यह पेंटिंग थी, जिसके बाद यह परिवार के पास पीढ़ियों तक रही।

अमेरिका : पुलिस ने जन्मदिन पार्टी में गोलीबारी करने वाले संदिग्ध की तलाश तेज की

स्टॉकटन (अमेरिका), (भाषा)। अमेरिका में कैलिफोर्निया राज्य के अधिकारियों ने स्टॉकटन में एक बच्चे की जन्मदिन की पार्टी के दौरान हुई सामूहिक गोलीबारी में तीन बच्चों और एक वयस्क की हत्या के बाद संदिग्ध की तलाश के लिए जनता से उसके बारे में कोई भी जानकारी देने की अपील की है। सैन जॉक्विन काउंटी शेरिफ के कार्यालय की प्रवक्ता हीदर ब्रेंट ने कहा, यह दिल दहला देने वाली घटना है। उन्होंने बताया कि जांचकर्ताओं का मानना है कि यह एक लक्षित घटना थी जो एक बैंक्वेट हॉल में हुई, जहां शनिवार रात 100 से अधिक लोग इकट्ठा हुए थे। ब्रेंट ने कहा कि मृतकों की उम्र आठ, नौ, 14 और 21 वर्ष थी। 11 लोग घायल हुए हैं। रविवार दोपहर तक कोई भी गिरफ्तारी नहीं हुई थी। ब्रेंट ने अपील की, अगर आपके पास कोई फुटेज है, आप स्थानीय व्यवसाई हैं, आसपास रहते हैं या शायद आपने कोई अफवाह सुनी हो तो कृपया शेरिफ कार्यालय से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि वह घटना के पीछे के संभावित मकसद या संदिग्ध की जानकारी साझा नहीं कर सकतीं क्योंकि इससे जांच प्रभावित हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में यात्री नाव और स्पीडबोट की टक्कर में दो लोगों की मौत, 18 घायल

» कराची, भाषा।

पाकिस्तान में मनोरा के निकट समुद्र में एक निजी स्पीडबोट और एक यात्री नाव के बीच टक्कर हो जाने से एक महिला और एक किशोरी की मौत हो गई तथा 18 लोग घायल हो गए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना रविवार को कराची के मनोरा में हुई। डीआईजी सैयद असद रजा ने बताया कि नाव मनोरा बीच से जेटी नंबर-एक की ओर जा रही थी, तभी शाम करीब साढ़े छह बजे उसकी टक्कर स्पीडबोट से हो गई। टक्कर के कारण यात्री नाव नष्ट हो गई और चार परिवारों के सभी 22 लोग घायल हो गए।

पाकिस्तानी नौसेना और कराची पोर्ट ट्रस्ट प्रशासन ने लोगों को बचा लिया और इलाज के लिए क्लिफ्टन के एक निजी अस्पताल और कराची के डॉ. रूथ पफाऊ सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने कहा, सौभाग्यवश, नौसेना के बचावकर्मी पास में ही थे और उन्होंने उन लोगों को बचा लिया, लेकिन उनमें से एक महिला और एक लड़की की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि दो लड़कियां अब भी अस्पताल में गंभीर हालत में हैं। स्पीडबोट के बारे में पूछे जाने पर रजा ने कहा कि वह भी क्षतिग्रस्त हो गई थी, लेकिन इसके चालक दल के सदस्यों ने बचाव अभियान में सहयोग किया। रजा ने कहा, हम घटना की जांच कर रहे हैं। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि लकड़ी से बनी यात्री नाव कुछ देर के लिए नियंत्रण खो बैठी थी।

रूस युद्ध पर अमेरिका-यूक्रेन की बातचीत सकारात्मक रहीः रुबियो

» हॉलैंडेल बीच (अमेरिका), भाषा।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के समाधान की संभावनाओं को तलाशने के लिए अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को लगभग चार घंटे तक बातचीत की। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बाद में संवाददाताओं को बताया कि बातचीत सकारात्मक रही लेकिन शांति समझौते को अमल में लाने के लिए अब भी काम किया जाना बाकी है। रुबियो ने कहा, यह केवल उन शर्तों की बात नहीं है जो लड़ाई को खत्म करती हैं। बल्कि यह उन शर्तों की भी बात है जो यूक्रेन को दीर्घकालिक समृद्धि के लिए तैयार करती हैं।

मुझे लगता है कि हमने आज उस दिशा में प्रगति की है, लेकिन अभी और काम किया जाना बाकी है। फ्लोरिडा में यह उच्च स्तरीय बातचीत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के रूस की राजधानी मॉस्को में रूसी नेता व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात से कुछ दिन पहले हुई। रुबियो, विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर ने बातचीत में अमेरिकी पक्ष का प्रतिनिधित्व किया। यह बातचीत ऐसे समय में हुई जब यूक्रेन 2022 में आक्रमण करने वाली रूसी सेना के खिलाफ दबाव बना रहा है और साथ ही अपने देश में भ्रष्टाचार से भी निपट रहा है।

अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हमले की कोशिश नाकाम, तीन चरमपंथी ढेर

» कराची, भाषा।

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हमले की कोशिश को सुरक्षाकर्मियों ने नाकाम करते हुए प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के तीन चरमपंथियों को ढेर कर दिया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अर्धसैनिक बल के एक प्रवक्ता ने बताया कि रविवार रात चगाई जिले के नोकुंडी कस्बे में फ्रंटियर कोर (एफसी) के मुख्यालय पर एक आत्मघाती हमलावर द्वारा हमला किए जाने के बाद चरमपंथियों ने वहां घुसने का प्रयास किया।

कम से कम छह हमलावरों ने जबरन अंदर घुसने की कोशिश की। प्रवक्ता ने कहा, एफसी त्वरित प्रतिक्रिया बल ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और मुख्यालय में घुसने में कामयाब रहे तीन चरमपंथियों को मार गिराया। सूत्रों के अनुसार, बीएलए चरमपंथियों ने पंजगुर के गुरमाकन क्षेत्र में एक अन्य एफसी चौकी को भी निशाना बनाया, जिसके बाद मुठभेड़ हुई। माना जा रहा है इस घटना में कई हमलावर मारे गए लेकिन फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो सकी।

समीक्षा : ट्रंप प्रशासन के दक्षता लक्ष्यों से बड़े पैमाने पर खाद्यान्नों की बर्बादी

» वाशिंगटन, भाषा।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान अमेरिका की सरकार ने बड़े पैमाने पर खाद्यान्न की बर्बादी की है। आव्रजन छापे, शुल्क में बदलाव और खाद्य सहायता कार्यक्रमों में अस्थाई और स्थाई कटौती जैसी नीतियों के कारण किसानों के पास मजदूरों और पूंजी की कमी हो गई है, खेतों और गोदामों में अनाज सड़ रहा है, और लाखों अमेरिकी खाली पेट सोने को मजबूर हैं। हालांकि, इन आंकड़ों में प्रशासन द्वारा खाद्य पदार्थों को नष्ट किया जाना शामिल नहीं है। अमेरिकी सरकार का आकलन है कि अमेरिका में 4.7 करोड़ से अधिक लोगों के पास दो वक्त का भोजन नहीं है जबकि संघीय और राज्य सरकारें उनकी सहायता के लिए कार्यक्रमों पर प्रति वर्ष सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करती हैं।

उपरोक्त स्थिति के बावजूद भारी मात्रा में भोजन यानी अमेरिका में कुल खाद्यान्न का औसतन 40 प्रतिशत तक थाली तक पहुंचने से पहले ही खराब हो जाता है। यह मात्रा सालाना 120 अरब थाली के बराबर है। यानी यह भोजन उन 4.7 करोड़ भूखे अमेरिकियों को पूरे साल तीन वक्त का खाना खाना खिलाने के लिए आवश्यक अनाज से भी ढाई गुना है। इस पैमाने पर बर्बादी आर्थिक बोझ डालती है और यह भोजन उगाने में इस्तेमाल होने वाले पानी और संसाधनों को बेकार कर देती है। इसके अलावा, सड़ते हुए, बर्बाद भोजन से अकेले अमेरिका में 40 लाख मीट्रिक टन से ज़्यादा मीथेन गैस का उत्सर्जन होता है जो एक ऊष्मा-अवरोधक ग्रीनहाउस गैस है। भोजन बर्बादी के एक विशेषज्ञ के तौर पर मैंने जनवरी 2025 में ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद से इस समस्या को बदतर होते देखा है। इस प्रशासन द्वारा सरकार के कार्यों को अधिक कुशल बनाने के के दावे के बावजूद, हाल की कई संघीय नीतियों ने वास्तव में भोजन की बर्बादी को बढ़ा दिया है। फलों, सब्जियों और डेरी जैसे ताजे खाद्य पदार्थों की आपूर्ति के लिए निश्चित समय-सीमा में कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होती है जो फसलों के पकने के समय, ताजगी और उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित कर सकें। ट्रंप प्रशासन ने आप्रवासियों को गिरफ्तार कर उन्हें निर्वासित करने के लिए व्यापक अभियान चलाया। इसके तहत आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन, सीमा गश्ती और अन्य एजेंसियां ने सैकड़ों फार्महाउस, मांस प्रसंस्करण संयंत्रों और खाद्य उत्पादन एवं वितरण इकाइयों पर छापेमारी की कार्वाई की। करदाताओं के अरबों डॉलर के खर्च के परिणामस्वरूप कार्य कर रही इन एजेंसियों ने हजारों श्रमिकों को गिरफ्तार किया है, जिसके कई बार घातक परिणाम भी हुए हैं। दर्जनों छापों ने न केवल अप्रवासियों के मानवाधिकारों का उल्लंघन कर परिवारों के सदस्यों को जुदा किया है, बल्कि राष्ट्रीय खाद्य आपूर्ति को भी खतरे में डाल दिया है। खेतिहर मजदूर पहले से ही कम मज़दूरी पर शारीरिक रूप से कठिन काम करते हैं। कई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अपनी जान और आजादी के जायज डर के कारण कुछ जगहों पर 2025 के मध्य तक कटाई, प्रसंस्करण और खाद्य वितरण करने वाले 70 प्रतिशत लोग काम पर नहीं आए।

एमआरआई रिपोर्ट जारी करूंगा, पता नहीं शरीर के किस हिस्से की स्कैनिंग की गई : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि वह अक्टूबर में मिले अपने एमआरआई परीक्षण के नतीजे जारी करेंगे। फ्लोरिडा से वाशिंगटन वापस जाते समय पत्रकारों से बातचीत के दौरान राष्ट्रपति ने कहा, अगर आप चाहते हैं, तो मैं इसे जारी कर दूंगा। व्हाइट हाउस अब तक यह बताने से मना करता रहा है कि पिछले महीने ट्रंप के शारीरिक परीक्षण के दौरान एमआरआई क्यों कराया गया था, या उनके शरीर के किस हिस्से का एमआरआई कराया गया था। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा है कि राष्ट्रपति की वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में नियमित शारीरिक परीक्षण के तहत एडवांस इमेजिंग की गई।

भारत ने श्रीलंका में फंसे अपने नागरिकों के अंतिम समूह को निकाला, राहत प्रयासों में तेजी

» कोलंबो, भाषा।

भारत ने श्रीलंका में चक्रवात दित्वा के कारण मची तबाही के बाद कोलंबो में बचाव अभियान में तेजी लाते हुए वहां फंसे भारतीय नागरिकों के आखिरी समूह को सोमवार को निकाल लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे 104 भारतीयों का आखिरी समूह ऑपरेशन सागर बंधु के तहत भारतीय वायु सेना के विमान से सुबह करीब साढ़े छह बजे तिरुवनंतपुरम पहुंचा। उच्चायोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि श्रीलंका के बचाव प्रयासों में भारत ने अपनी मदद तेज कर दी है और अभियान का विस्तार कई प्रभावित क्षेत्रों तक किया है।

विज्ञप्ति के अनुसार चेतक हेलीकॉप्टर ने कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जबकि वायु सेना के कई हेलीकॉप्टर ने कोटमाले में तलाश अभियान संचालित किया जो सबसे ज्यादा प्रभावित मध्य पर्वतीय क्षेत्र है तथा भूस्खलन एवं बाढ़ के कारण यहां सड़क संपर्क टूट गया है। विज्ञप्ति में कहा गया, खोज एवं बचाव अभियानों के लिए भारत की विशेषीकृत आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी एनडीआरएफ और एचएडीआर (मानवीय सहायता और आपदा राहत) की टीम कल कोलंबो पहुंची। उन्होंने श्रीलंका के अधिकारियों के साथ मिलकर कोच्चिकाडे में बचाव अभियान संचालित किया। विज्ञप्ति के अनुसार, एनडीआरएफ की टीम अब पुट्टलम और बादुल्ला इलाकों में काम कर रही हैं जो चक्रवात से बुरी तरह प्रभावित हैं और संपर्क से कट गए हैं। एनडीआरएफ ने कहा, एनडीआरएफ ने बाढ़ से गंभीर रूप से प्रभावित परिवारों की मदद की और उनकी तुरंत सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद की। इस बीच, श्रीलंका की वायु सेना ने एक पायलट की मौत की पुष्टि की है।

श्रीलंका : विपक्ष ने भीषण बाढ़ के मुद्दे पर संसद से बहिर्गमन किया

कोलंबो। श्रीलंका की मुख्य विपक्षी पार्टी एसजेबी ने चक्रवात दित्वा के बाद की स्थिति पर चर्चा के लिए सत्र को विस्तारित करने से सरकार द्वारा इनकार किए जाने के विरोध में सोमवार को संसद से बहिर्गमन किया। श्रीलंका में चक्रवात दित्वा के असर से हुई मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में 300 से अधिक लोग मारे गए हैं। समागी जन बालवेगया (एसजेबी) के सांसद कबीर हाशिम ने कहा कि वह संसद के रिकॉर्ड में दर्ज कराना चाहते हैं कि श्रीलंका में भीषण मौसमी आपदा आने की पूर्व चेतावनी मिलने के बावजूद अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व वाली सरकार ने कोई तैयारी नहीं की। नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) सरकार ने कहा कि विपक्ष अपराह्न 12.30 बजे तक अपनी बात कहने के लिए स्वतंत्र है, क्योंकि आपदा राहत समन्वय कार्य के कारण सदन की कार्यवाही समय पूर्व स्थगित की जाने वाली है। हाशिम ने कहा, हमें अपने विचार व्यक्त करने के लिए अधिक समय की आवश्यकता है क्योंकि सरकार विफल रही है। हम तैयारी के साथ इतनी बड़ी क्षति को रोक सकते थे। सदन के नेता बिमल रथनायक ने कहा कि सरकार आलोचना और संकट से निपटने के लिए दिए जाने वाले सुझावों को सुनने के लिए तैयार।

लेबनान में पोप ने संत की समाधि पर शांति के लिए प्रार्थना की

अन्नाया (लेबनान)। पोप लियो 14वें ने ईसाइयों और मुसलमानों के बीच श्रद्धेय लेबनानी संत की कब्र पर सोमवार को प्रार्थना की। उन्होंने लेबनान के अपने दौरे की शुरुआत संघर्ष से प्रभावित क्षेत्र में शांति और धार्मिक सह-अस्तित्व के संदेश के साथ की। घंटियां बजते ही लेबनान के हजारों नागरिक लगातार बारिश के बावजूद बेरूत से लगभग 40 किलोमीटर दूर अन्नाया की ओर जाने वाले पोप के काफिले के रास्ते में खड़े हो गए। कुछ लोगों ने लेबनानी और वेटिकन के झंडे लहराए और पोप के वाहन पर फूल बरसाकर उनका स्वागत किया। हर साल, लाखों श्रद्धालु समुद्र के किनारे स्थित सेंट मारून के ईसाई मठ में सेंट चारबेल मखलौफ की कब्र पर प्रार्थना करने के लिए आते हैं। सेंट चारबेल मखलौफ एक लेबनानी मारोनाइट संत थे। यह पहली बार है जब पोप कब्र पर प्रार्थना करने गए। वह हरिसा स्थित एक धार्मिक स्थल पर पादरियों और नन से मिलेंगे और फिर राजधानी बेरूत में लेबनान के ईसाई और मुस्लिम नेताओं के साथ एक सर्वधर्म सभा की अध्यक्षता करेंगे। ऐसे समय में जब गाज़ा में संघर्ष और लेबनान में राजनीतिक तनाव काफी बढ़ गया है, संभावना है कि लियो लेबनान और अन्य जगहों पर शांति एवं ईसाई-मुस्लिम सह-अस्तित्व के अपने मूल संदेश को ज़ोरदार तरीक़े से लोगों तक पहुंचाएंगे। लेबनान की उनकी यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब वर्षों से आर्थिक संकट और राजनीतिक गतिरोध बना हुआ है।

हसीना, रेहाना और सिद्दीक समेत सभी 17 दोषियों में से प्रत्येक पर एक लाख टके का जुर्माना भी लगाया

बांग्लादेश की अदालत ने जमीन घोटाला मामले में शेख हसीना को पांच साल की सजा सुनाई

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को जमीन घोटाला मामले में सोमवार को पांच साल की जेल और उनकी भांजी एवं ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक दो साल जेल की सजा सुनाई। सरकारी बीएसएस समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार ढाका के विशेष न्यायाधीश की अदालत-4 के न्यायाधीश मोहम्मद रबीउल आलम ने इसी मामले में हसीना की बहन शेख रेहाना को भी सात साल जेल की सजा सुनाई। भ्रष्टाचार के इस मामले में 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। कोर्ट ने तीन आरोपियों की गैरमौजूदगी में खचाखच भरे अदालत कक्ष में यह फैसला सुनाया।

शेष 14 आरोपियों में से प्रत्येक को पांच साल की जेल हुई। अदालत ने हसीना, रेहाना और सिद्दीक समेत सभी 17 दोषियों में से प्रत्येक पर एक लाख टके का जुर्माना भी लगाया और जुर्माना नहीं भरने पर उन्हें छह महीने की अतिरिक्त जेल की सजा काटनी होगी। ब्रिटेन की बांग्लादेश मूल की लेबर पार्टी की नेता सिद्दीक रेहाना की बेटी हैं तथा 2015 से हैम्पस्टेड और हाईगेट से सांसद हैं। अंतरिम सरकार ने अप्रैल में हसीना के प्रधानमंत्री रहने के दौरान हुए भ्रष्टाचार की जांच के तहत 43 साल की सिद्दीक के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। उन्हें अपनी मौसी हसीना को प्रभावित करके ढाका के बाहरी क्षेत्रों में अपनी मां, भाई और बहन के नाम पर जमीन लेने का दोषी पाया गया। हालांकि, इन आरोपों का उन्होंने सख्ती से खंडन किया है। द डेली स्टार अखबार की खबर के मुताबिक भ्रष्टाचार रोधी आयोग (एसीसी) द्वारा दायर किए गए मामलों में 78 वर्षीय हसीना से जुड़ा यह चौथा फैसला है। एसीसी ने 13 जनवरी को हसीना, रेहाना और सिद्दीक समेत 15 लोगों के खिलाफ जमीन घोटाले का मामला दर्ज किया था। इन लोगों पर आरोप था कि उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान गैर-कानूनी तरीके से भूखंड का आवंटन हासिल किया था। जांच अधिकारी ने बाद में 10 मार्च को 17 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। द ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर में कहा गया है कि एसीसी ने 12 से 14 जनवरी के बीच अपने ढाका एकीकृत जिला कार्यालय-1 में पूर्बाचल न्यू टाउन परियोजना के तहत भूखंड के आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर छह अलग-अलग मामले दायर किए थे। एसीसी के मुताबिक हसीना ने राजुक के अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके अपने और अपने बेटे सजीब वाजिद जॉय और बेटी साइमा वाजिद पुतुल सहित कई रिश्तेदारों के लिए गैर-कानूनी तरीके से छह भूखंड हासिल किए जिनमें से हर एक का आकार 10 कट्ठा (7,200 वर्ग फुट) था, जबकि मौजूदा नियमों के तहत वे इसके योग्य नहीं थे। एसीसी अधिकारियों ने कहा कि सिद्दीक ने रेहाना, बॉबी और अजमीना के नाम पर भूखंड पाने के लिए अपने पद का इस्तेमाल किया। राजधानी उन्नयन कर्तृपक्खा (राजुक) बांग्लादेश में सरकारी इमारतों की योजना बनाने से लेकर निर्माण तक के नियमों की निगरानी के लिए जिम्मेदार सरकारी एजेंसी है। इस मामले में 31 जुलाई को 29 लोगों के खिलाफ आरोप तय किए गए जिनमें हसीना, रेहाना, जॉय, पुतुल और ट्यूलिप शामिल हैं। हसीना को 27 नवंबर को 21 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई गई, जिसमें पूर्बाचल जमीन घोटाला मामले में दायर किए गए तीन मामले में से प्रत्एक में सात साल की सजा शामिल है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,